संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 331
पृष्ठ 8
शनिवार
22 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ग्लोइंग और हाइड्रेट स्किन पाने..

विचार- उर्दू कविताओं में श्री कृष्ण भक्ति...

खेल- कोलंबो के इंडिया हाउस में हुआ...

मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों के मुख्य अधिकारियों, संस्थापकों से की चर्चा, कहा-

दुनिया सोचे स्पेस, तो दिखे भारत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार पहले सेवा तीर्थ में अंतरिक्ष क्षेत्र के 20 स्टार्टअप कंपनियों के मुख्य अधिशासी अधिकारी (सीईओ) और संस्थापकों के साथ बातचीत की और अंतरिक्षण उद्योग में कदम रखने का साहस दिखाने के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि इससे इस क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के सरकार के दृष्टिकोण को बल मिला है।

प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र के इन नये नेताओं को नए क्षेत्र में साहस दिखाने और पहल करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि उद्योग द्वारा दिखाए गए विश्वास ने उस दृष्टिकोण को मजबूत किया है,

जिसके तहत भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोला गया था। श्री मोदी ने कहा कि कई देश या तो अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश करने की स्थिति में नहीं हैं या वहां ऐसा करने की इच्छा नहीं है। इससे भारत के पास वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी स्थिति को तेजी से मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है। इस चर्चा में रॉकेट एवं पुनरू प्रयोज्य सेमी–क्रायोजेनिक प्रक्षेण यानों, वैमानिक इलेक्ट्रानिक्स, उपग्रह, उन्नत प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष एवं रक्षा खुफिया, अंतरिक्ष में तैर रहे मलबे को हटाने, एआई आधारित अतिस्थानिक मौसम एवं जलवायु आसूचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इन स्टार्टअप के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री के समर्थन और विश्वास के प्रति आभार जताते हुए देश के अंतरिक्ष उद्योग में निजी उद्यमों के कामों में हो रही प्रगति और क्षेत्र के भविष्य को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि देश में स्वदेशी क्षमताओं और आवश्यक तकनीकों के विकास के लिए उन्होंने काफी समय और प्रयास लगाया है। उन्होंने बताया कि उनकी टीमें अंतरिक्ष क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पूरी लगन और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही हैं। स्टार्टअप इकाइयों के कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने के निर्णय से उद्योग में काफी उत्साह पैदा हुआ और नए अवसरों के द्वार खुले। उन्होंने यह भी बताया कि कई देशों की कंपनियां भारत के उभरते निजी अंतरिक्ष उद्योग द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने और उनका उपयोग करने में रुचि दिखा रही हैं।

चिकन नेक की सुरक्षा मजबूत करने के लिए तीन बेस बनाए गए : अमित शाह

सिलीगुड़ी, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की यात्रा पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार ने उत्तर बंगाल में रणनीतिक रूप से अहम ष्चिकन नेकष् गलियारे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं। यहां रानीडांगा में सशस्त्र सीमा बल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले इस संकरे कॉरिडोर की सुरक्षा के महत्व को पूरी तरह से समझा है। उन्होंने कहा कि तीन अहम जगहों पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में चोपड़ा, बिहार में किशनगंज और असम में ध्ुबरी , से सुरक्षा इंतजाम मजबूत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन जगहों पर पहले ही बेस बनाए जा चुके हैं। श्री शाह ने कहा कि सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए जमीन की सबसे ज्यादा जरूरत थी और इसके लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने 560 एकड़ जमीन सौंप दी है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए श्री शाह ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान बार–बार अनुरोध करने के बावजूद जमीन नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद, बीएसफ और एसएसबी के लिए ढांचागत सुविधाएं और ठिकाने बनाने के लिए 45 दिनों के भीतर 1,129 एकड़ जमीन सौंप दी गई। शाह ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की भी तारीफ की और भाजपा सरकार को चुनने के लिए पश्चिम बंगाल के लोगों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि जनादेश के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा एक अहम वजह थी। पहली बार एसएसबी के कार्यक्रम में श्री अधिकारी की मौजूदगी का जिक्र करते हुए श्री शाह ने कहा कि सुश्री बनर्जी को ऐसे कार्यक्रमों में कई बार बुलाया गया था, लेकिन वह शामिल नहीं हुईं।

जेपी नड्डा का राहुल गांधी पर बड़ा हमला: बोले

यह कैमराजीवी नाटक सिर्फ सुर्खियों में रहने को

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में एक नया राजनीतिक टकराव शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 21 अगस्त को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर धरना दिया। वे 20 जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे है। इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पूरा देश एक बार फिर उस सस्ती और सस्ती लोकप्रियता पाने वाली राजनीति को देख रहा है, जिसका प्रदर्शन आज राहुल गांधी ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर किया। राहुल गांधी का आज का धरना न तो छात्रों के लिए है और न ही न्याय के लिएय यह कांग्रेस पार्टी

की राजनीतिक हताशा और राहुल गांधी की मीडिया का ध्यान खींचने की भूख का प्रतीक है। नड्डा ने कहा कि पूरा देश जानता है कि सुप्रीम कोर्ट ने 20 जुलाई की घटना का संज्ञान ले लिया है और एक पूर्व जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्च–स्तरीय समिति का गठन किया है। जब देश की सर्वोच्च अदालत इस मामले की जांच कर रही है, तो राहुल गांधी पुलिस स्टेशन के बाहर कैमरों के सामने बैठकर क्या साबित करना चाहते हैं? क्या विपक्ष के नेता को देश की न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है? सच तो यह है कि राहुल गांधी यह कैमराजीवी नाटक सिर्फ खुद को सुर्खियों में बनाए रखने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम इस पूरे नाटक के समय पर गौर करें, तो हमें पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी को इस समय वंदे मातरमके मुद्दे पर पूरे देश में कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। जनता कांग्रेस से राष्ट्रीय गीत के अपमान को लेकर जवाब मांग रही है,

ई-20 नीति से चीनी और अन्य खाद्यान्न महंगे: कांग्रेस

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने सरकार की ई–20 नीति को जनविरोधी और अदूरदर्शी करार देते हुए कहा है कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने के कारण चीनी और खाद्यान्न महंगे हो रहे हैं तथा वाहन मालिकों को कम माइलेज और वाहनों की अनुकूलता से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार की ई–20 नीति के कारण जनता को सड़क और रसोई, दोनों जगह इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। गन्ने और अनाज से एथनॉल बनाने के कारण खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि 25 लाख टन चीनी–लायक गन्ना एथनॉल बनाने में चला गया, जिससे पिछले तीन महीनों में चीनी की कीमत 48 रुपये से बढ़कर 67 रुपये प्रति किलो और गुड़ की कीमत 50 रुपये से बढ़कर 65 रुपये प्रति किलो हो गई। चावल और मक्के का आटा भी क्रमशः 16 और 11 प्रतिशत महंगा हुआ है, जबकि पशु आहार की कीमत 10.34 प्रतिशत बढ़ी है।

जापानी विद्यार्थियों ने सुनाया गीत, सीएम योगी बोले

युवा पीढ़ी बनेगी दोनों देशों की नई सांस्कृतिक राजदूत

लखनऊ,संवाददात। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसमें कूटनीति की औपचारिकता की जगह बच्चों की मुस्कान थी, भाषाओं की दूरी की जगह संवाद था और दो देशों की संस्कृति के बीच दोस्ती का एक सहज सेतु बनता दिखाई दे रहा था। उत्तर प्रदेश–जापान निवेश बैठक के क्रम में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'ए डायलॉग विद द फ्यूचर' में जापान के यामानाशी प्रान्त से आए 13 विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों ने लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यामानाशी प्रान्त के गवर्नर कोटारो नागासाकी की मौजूदगी में हुआ यह संवाद आने वाले भारत–जापान संबंधों की उस तस्वीर को सामने ला रहा था, जिसकी नींव आज की युवा पीढ़ी के मन में रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने जापान के यामानाशी से आए विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों तथा लखनऊ

के युवा साथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए जापानी अभिवादन श्ओहायो गोजाइमासुश से अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है और 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्रदेश भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है और इसे 'हार्टलैंड ऑफ इंडिया' के रूप में भी देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस अवध क्षेत्र में आज यह संवाद हो रहा है, उसी क्षेत्र में अयोध्या स्थित है, जो मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि है। जापानी विद्यार्थियों ने आगरा में ताजमहल देखा, मथुरा, जो भगवान् श्री कृष्ण की जन्मभूमि है, पास में ही है और अब वाराणसी तथा सारनाथ जाने का अवसर उन्हें मिलेगा।

सारनाथ वह पावन स्थल है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश दिया था। वाराणसी दुनिया की प्राचीनतम नगरियों में से एक है। इस तरह जापान से आए इन विद्यार्थियों के लिए उत्तर प्रदेश की यात्रा भारत की आध्यात्मिकता, संस्कृति और सभ्यतागत विरासत को करीब से जानने का अवसर भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल विद्यार्थियों का मिलन नहीं है। यह दो संस्कृतियों, दो परंपराओं और दो देशों की युवा पीढ़ियों का मिलन है। अगले वर्ष भारत और जापान के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और ऐसे समय में दोनों देशों के ये विद्यार्थी भविष्य के राजदूत के रूप में इस संबंध को नई ऊंचाई देने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि एक ओर भारत की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति वाले उत्तर प्रदेश के बच्चे हैं और दूसरी ओर तकनीक, परंपरा और प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले जापान के बच्चे। एक बच्चा लखनऊ के किसी गांव से आया है और दूसरा जापान के किसी गांव से। एक हिंदी बोलता है, दूसरा जापानी, लेकिन दोनों के बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि दोनों अपने भविष्य की कहानी लिख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान से आए विद्यार्थियों के लिए भारत की विविधता में एकता, वसुधैव कुटुम्बकम्, भारतीय भाषाओं, दर्शन, पर्व और त्योहारों तथा उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का यह अवसर है।

राहुल की मांग के बाद दिल्ली पुलिस ने पैलेटगन मामले में एफआईआर की दर्ज

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने साहिल लोचब की शिकायत पर पेलेट गन से फायरिंग की कथित घटना के सिलसिले में अज्ञात लोगों के खिलाफ थ्त दर्ज की है। इस मामले में अभी तक किसी को आरोपी नहीं बनाया गया है। शिकायत पर कार्रवाई के दौरान कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला और प्रियंका गांधी वड्र ऑफिस में मौजूद थे। मामले की आगे की जांच चल रही है। जबकि राहुल गांधी ने राजधानी में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर धरना जारी रखा। प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस नेता, पीड़ित के साथ पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पर धरने पर बैठे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 20 जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के छर्रों से घायल हुए 19 वर्षीय साहिल लोचब के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर शुक्रवार को संसद मार्ग स्थित पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय के बाहर धरना दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी साहिल लोचब, उनके परिवार और वकीलों के साथ संसद मार्ग थाने पहुंचे और मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने पुलिस से जांच अधिकारी (आईओ) का नंबर उपलब्ध कराने की मांग भी की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आज साहिल लोचब के साथ, उनके साथ हुई पुलिस बर्बरता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने संसद मार्ग के डीसीपी कार्यालय पहुंचा।''

वंदे मातरम् पर कांग्रेस का निर्णय असंवैधानिक और भविष्य में गंभीर संकट पैदा करने वाला : राजनाथ

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के पूर्ण गायन के बजाय शुरूआत के दो अंतरे गाये जाने के निर्णय को असंवैधानिक, दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय करार देते हुए कहा है कि यह राजनैतिक दृष्टि से भविष्य में गंभीर संकट को पैदा करने वाला है। रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट में इस निर्णय पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि संसद से पारित कोई भी कानून हर व्यक्ति के लिए बाध्यकारी होता है। यदि कोई कानून को नहीं मानता है तो संविधान के प्रति उनकी निष्ठा संदेह के घेरे में आ जाती है और उनकी देशभक्ति पर सवालिया निशान है। श्री सिंह ने कहा, ष्कांग्रेस द्वारा वंदे मातरम् का सम्मान करने से औपचारिक रूप से न केवल इंकार करना, बल्कि सीधे–सीधे विरोध करना, अत्यंत दुर्भाग्य जनक और संवैधानिक दृष्टि से बहुत गंभीर विषय है। भारत के संविधान के अनुसार, संसद देश की सर्वोच्च संस्था है और संसद से पारित कोई भी कानून हर व्यक्ति के लिये बाध्यकारी है। यदि कोई इसे मानने से मना करता है तो निश्चित रूप से संविधान के प्रति उनकी निष्ठा संदेह के घेरे में आ जाती है और यदि राष्ट्र गीत का सम्मान करने से कोई मना करता है, तो उसकी

देशभक्ति पर भी सवालिया निशान लग जाता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कांग्रेस 1937 के जिस प्रस्ताव की बात करती है, वह कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की कट्टरपंथी मांगों के आगे नतमस्तक होकर पारित किया था और उसका खघमियाजा भविष्य में देश को विभाजन के रूप में देखना पड़ा। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी तत्वों के आगे समझौता करना, हमेशा देश के लिए घातक साबित हुआ है और आज कांग्रेस जब कट्टरपंथी तत्वों के आगे उसी प्रकार समर्पण कर रही है, तो यह देश के भविष्य के लिए गंभीर खतरे के संकेत हैं।

उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि कांग्रेस का यह निर्णय सर्वथा असंवैधानिक और निंदनीय है साथ ही राजनैतिक दृष्टि से भविष्य में एक गंभीर संकट को पैदा करने वाला है। वंदे मातरम का विरोध करके कांग्रेस ने अपने नासमझी भरे खतरनाक इरादों को देश के सामने बता दिया है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस कार्यसमिति की हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि कांग्रेस अपने कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का पूर्ण गायन नहीं करेगी और पहले की तरह केवल शुरूआत के दो अंतरे ही गाये जायेंगे।

48 घंटे का टाइम और 2 मांगें, अभिजीत दीपके का जयपुर में जंतर-मंतर जैसे आंदोलन का ऐलान

जयपुर,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के आशुतोष रांका अपनी टीम के साथ जयपुर के सरकारी प्राथमिक विद्यालय का दौरा करने गए थे, तभी उनके साथ कुछ ग्रामीणों ने हमला कर दिया। CJP और स्थानीय लोगों के बीच हुआ यह विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने राजस्थान सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इसके साथ ही दो मांगे भी रखी हैं। ये मांगे पूरी नहीं होने पर उन्होंने जयपुर आकर स्कूल के सामने धरना देने और जंतर–मंतर जैसे आंदोलन का ऐलान किया है। दरअसल, CJP की टीम शुक्रवार को जयपुर के रामपुरा–कंवरपुरा के सरकारी प्राथमिक विद्यालय का दौरा करने पहुंची थी। टीम का कहना है कि वह स्कूल भवन की स्थिति का जायजा लेने और छात्रों व शिक्षकों से बातचीत करने गई थी। इसी दौरान ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि स्थानीय लोगों ने कार्यकर्ताओं को गांव से बाहर खदेड़ दिया और उनके खिलाफ प्रदर्शन किया और मारपीट भी की। फिलहाल जयपुर में आचार सहिंता लागू है। इसी विवाद के बीच अभिजीत दीपके ने ताजा बयान जारी कर सरकार को 48 घंटे का समय दिया है। उन्होंने कहा, "आशुतोष और उनकी टीम को भाजपा के गुंडों ने मारा और पीटा। ये गुंडागर्दी इसलिए हुई, क्योंकि भैंस के तबेले में बच्चों को पढ़ाया जा रहा था, जिसका खुलासा आशुतोष करने वाले थे।" उन्होंने आगे कहा, "इसलिए मैं ये कहना चाहता हूं कि अगले 48 घंटे के अंदर उस स्कूल को ठीक कराने का काम नहीं किया जाता है, उन गुंडों को अरेस्ट नहीं किया जाता है। तो मैं खुद जयपुर आऊंगा और स्कूल के सामने बैठा रहूंगा।

महिला ही नहीं, संबंध और विश्वास का भी रेता गला

प्रयागराज। सरायइनायत क्षेत्र के जैतपुर गांव में महिला की हत्या के साथ संबंध और विश्वास का भी गला रेता गया। आरोपी आशीष कुमार निवासी बरईपुर के परिवार से अच्छे संबंध थे। लेकिन नीयत अच्छी नहीं थी। वह अपने साथ रहने के लिए महिला पर दबाव बना रहा था। इन्कार करने पर हत्या कर दी। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार गौतम ने बताया कि आरोपी का कुछ दिन से महिला के साथ संबंध था। महिला को वह पत्नी के रूप में साथ रखना चाहता था। महिला उसके साथ रहने के लिए तैयार नहीं थी, इसलिए आरोपी ने उसकी हत्या कर दी। आरोपी मृत महिला के पति दिनेश का रिश्तेदार भी बताया जा रहा है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो कमरे में गैस चूल्हा जल रहा था और कुछ रोटियां रखी थीं। चूल्हे को पुलिस ने बंद किया। मकान मालिक अनिल ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे ऊषा नीचे उतरी थी और कुछ सामान लेकर फिर ऊपर चली गई थी। पुलिस को हत्या की सूचना करीब 11 बजे मिली थी। जिस मकान में वह किराये पर रहती है, उसके निचले तल पर हनुमानगंज का पोस्ट ऑफिस है। दस बजे पोस्ट ऑफिस में लोगों का आना–जाना शुरू हो जाता है। किसी ने आरोपी को आते–जाते नहीं देखा। पुलिस ने आशंका जाहिर की है कि कि महिला की हत्या साढ़े नौ से दस बजे के बीच हुई होगी। पुलिस ने ज्वेलरी की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज चेक किया तो गली में एक युवक जाता दिखा और करीब आधे घंटे बाद वापस आता नजर आया। मकान मालिक ने आरोपी को पहचान लिया। बताया कि आरोपी के कहने पर ही उन्होंने कमरा किराये पर दिया था। पुलिस ने तत्काल दबिश देकर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सीसीटीवी का डीवीआर कब्जे में ले लिया है। पति दिनेश ने बताया कि उसके घरवालों को ऊषा पसंद नहीं थी। विवाह के साल भर बाद वह ऊषा को लेकर अपने घर गया था। उस वक्त घरवाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। घर में हंगामा होने के बाद वह फिर मुंबई चला गया। कुछ दिन पहले वे लोग फिर वापस आए और एक रिश्तेदार की मदद से किराये का कमरा लेकर रहने लगे।

पति बरी, कोर्ट ने कहा–परिवार की मौजूदगी में दर्ज मृत्युपूर्व बयान पर भरोसा नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी को जलाने के मामले में दोषी ठहराए गए मुरादाबाद निवासी याची जगन को बरी कर दिया है। कहा कि मृत्युपूर्व बयान परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में दर्ज किया गया था। इसलिए उस पर पूरी तरह से भरोसा नहीं किया जा सकता। साथ ही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने यह भी माना कि घटना के दौरान पत्नी को बचाने के प्रयास में पति के स्वयं झुलसने के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। सिविल लाइंस थाने में याची के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि दिसंबर 2015 को याची की पत्नी त्रिवेनी आग से झुलस गई थी। उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका मृत्युपूर्व बयान दर्ज किया गया। बयान में त्रिवेनी ने आरोप लगाया था कि पति ने उस पर केरोसिन डालकर आग लगा दी। ट्रायल कोर्ट ने 2018 में याची को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। याची ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। वहीं, मृतका के भाई ने बताया था कि मजिस्ट्रेट ने बयान उसके बेटे, उसकी पत्नी और बुआ समेत परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में दर्ज किया था। कोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति में इस बयान को निर्णायक महत्व नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने यह भी पाया कि पति ने पत्नी को बचाने की कोशिश की थी। इस दौरान वह खुद भी झुलस गया था। डॉक्टर ने बताया कि त्रिवेनी को अस्पताल जगन की मां लेकर आई थीं। कोर्ट ने पाया कि दंपती को संतान न होने पर बच्चे को गोद लेने को लेकर विवाद था। उपलब्ध परिस्थितियों में यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि त्रिवेनी को जगन ने ही केरोसिन डालकर आग लगाई थी।

आबादी का भार नहीं झेल पा रहे पुराने नाले

प्रयागराज। जल निकासी के विकल्प खोजने में अब इंजीनियर और अधिकारी लग गए हैं। जलभराव की समस्या का महत्वपूर्ण कारण पुराने जमाने के नाले हैं। इनकी गहराई और चौड़ाई बढ़ाने के अलावा समानांतर में नए नालों के निर्माण की योजना नगर निगम ने बनाई थी लेकिन शासन में प्रस्ताव लंबित है। शहर की आबादी बढ़ती जा रही है। इसकी वजह से नालों पर दबाव पड़ रहा है। ऐसे में नाले ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहने लगते हैं। इनमें अल्लापुर का डंडिया नाला भी है। सिविल लाइंस का आधा हिस्सा, दरभंगा, कर्नलगंज, हाशिमपुर, एलनगंज, टैगोर टाउन व फतेहपुर बिछुआ का पानी इसी नाले में आकर मिलता है। यहां पर नए नाले के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसी प्रकार जाफरी कॉलोनी, लूकरगंज, चकिया व बेनीगंज का पानी जैन मंदिर आनंदपुरम में और फिर जाफरी कॉलोनी में मिल जाता है। यहां पर नए नाला निर्माण का प्रस्ताव है। नगर निगम ने विभिन्न मोहल्लों और वार्डों में आरसीसी नाला निर्माण और सुदृढ़ीकरण की योजना बनाई है। इसमें बैहराना, बाघम्बरी गद्दी, अल्लापुर, तिलक नगर, गौस नगर, सिविल लाइंस, अशोक नगर, गंगानगर, राजापुर, मम्फोर्डगंज, सलोरी, न्यू मेहंदौरी, तेलियरगंज, अल्लापुर में बक्शी बांध पंपिंग स्टेशन शामिल है लेकिन इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कुंभ–2019 के दौरान शहर की सड़कों के चौड़ीकरण में करीब 12 नाले गायब हो गए। अब निगम की टीम इनको खोज रही है। जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए नगर निगम और लोक निर्माण विभाग की टीम भी मैदान में उतरी। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के निर्देश पर अलोपीबाग में नालों की सफाई करके जल निकासी कराई गई। नगर निगम की टीम ने जॉर्जटाउन में लोगों को जलभराव से मुक्ति दिलाई। संगम पेट्रोल पंप के सामने नाले में नौ पंपों के जरिये पानी को पाइप लगाकर नाले में समाहित किया गया। हालांकि जॉर्जटाउन और अल्लापुर में कई स्थानों में अब भी पानी भरा है।

भर्ती से पहले आयोग खुद अपनी परीक्षा की कर रहे तैयारी

प्रयागराज। एनटीए जैसी एजेंसी पर सवाल उठने व उससे उपजे युवाओं के आंदोलन के बाद राज्यों के चयन और भर्ती आयोगों का काम बढ़ गया है। समय पर परीक्षा कराने की चुनौती पहले से थी, अब पेपर लीक और प्रश्नपत्र में किसी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए फूलप्रूफ व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। आस–पड़ोस के राज्यों के लोक सेवा आयोग और चयन बोर्ड के सदस्य दूसरे राज्य के पैटर्न को समझने की कोशिश कर रहे हैं। किसी राज्य की पिछली परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने का तरीका कामयाब रहा तो दूसरे राज्य के प्रश्नपत्र पर सवाल नहीं उठे। किसी के मूल्यांकन सिस्टम ने परीक्षार्थियों को सवाल उठाने का मौका नहीं दिया तो किसी आयोग ने परीक्षा के तुरंत बाद आंसर–की जारी कर तमाम विवादों को विराम दे दिया। लेकिन, एक मोर्चे पर सफल दिख रही परीक्षा किसी दूसरे फ्रंट पर विवादों में घिर जा रही है।

चीनी के दाम में जबर्दस्त उछाल:

रक्षाबंधन से पहले मिठास हुई कड़वी, पांच दिन में 1000 रुपये क्विंटल महंगी हुई चीनी

प्रयागराज। रक्षाबंधन से पहले प्रयागराज में चीनी के दाम ने लोगों की मिठास कर दी कड़वी। महज एक सप्ताह में चीनी के भाव में 1000 रुपये प्रति क्विंटल का उछाल आया है। फुटकर बाजार में चीनी 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है। अचानक बढ़े दाम से गृहणियां ही नहीं, मिठाई कारोबारी भी हैरान हैं। कारोबारियों ने चेताया है कि सरकार ने जल्द कदम नहीं उठाए तो कीमतों में और तेजी आ सकती है।

भाई–बहन के प्रेम और अटूट विश्वास के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन की तैयारियों में जुटे प्रयागराज के लोगों और मिठाई कारोबारियों के लिए एक बुरी खबर है। त्योहार के ठीक मुहाने पर चीनी के दाम आसमान छूने लगे हैं, जिससे लोगों की जेब पर भारी असर पड़ा है। सप्ताह भर में ही चीनी के दाम में 1000 रुपये प्रति क्विंटल की बेतहाशा बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे खुद कारोबारी भी हैरत में हैं।

संगम नगरी के फुटकर बाजारों में चीनी के तेवर आसमान छू रहे हैं और दाम सीधे 65 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुके हैं। इलाहाबाद गल्ला तिलहन व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश केसरवानी का कहना है कि यदि समय रहते सरकार ने चीनी के आयात पर इम्पोर्ट ड्यूटी में छूट या स्टॉक लिमिट

को लेकर कड़े कदम नहीं उठाए, तो आने वाले दिनों में कीमतें और अधिक भड़क सकती हैं, जिससे राखी का त्योहार फीका पड़ सकता है।

मिठाई कारोबारी हीरा हलवाई एंड संस के रोहित गुप्ता ने बताया कि चीनी का दाम लगातार बढ़ रहा है। इस माह रक्षाबंधन भी है। उपभोक्ताओं पर चोट न पड़े इसे देखते हुए पर्व के बाद मिठाईयों के दाम बढ़ाए जा सकते हैं। चीनी के थोक कारोबारी उज्ज्वल गुप्ता ने बताया कि रक्षाबंधन की वजह से चीनी की मांग बढ़ी है। गृहणी पुषांजलि सिंह ने बताया कि समझ में ही नहीं आ रहा कि चीनी के दाम क्यों बढ़ रहे हैं। पिछले माह 50 रुपये किलो इसका दाम था जो बढ़कर 65 रुपये किलो हो गया है।

जुलाई में थोक रेट 4600 तो अब 6200 रुपये प्रति क्विंटल

थोक कारोबारी अमित गुप्ता का कहना है कि सिर्फ 5 दिनों में चीनी 1000 रुपये क्विंटल तक बढ़ गई है। चीनी मिलों की तरफ से कीमतों में कमी की संभावना नहीं दिख रही है। चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी जुलाई के पहले सप्ताह से ही दिखने लगी थी। तब चीनी 4600 रुपये प्रति क्विंटल थी। अगस्त के पहले हफ्ते में कीमतें 5100 से 5200 रुपये प्रति क्विंटल पहुंची थीं। बीते पांच दिनों में प्रति क्विंटल 1000 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल का कहना है कि एथेनॉल की बढ़ती मांग के चलते मिलों का झुकाव गन्ने के रस और शीरे को सीधे उधर डायवर्ट करने की तरफ भी रहा है, जिससे बाजार में चीनी की आवक पर ब्रेक लगा है। अभी चीनी का दाम और बढ़ने का अनुमान है।

तेजी से बढ़ रहा गंगा–यमुना का जलस्तर, बड़े हनुमानजी कभी भी कर सकते हैं अमृत स्नान

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार सुबह आठ बजे तक गंगा 79.30 मीटर और यमुना 73.35 मीटर पर पहुंच गईं। संगम तट पर स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर के पास पानी पहुंचने से अब अमृत स्नान का इंतजार बढ़ गया है। जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ा तो मां गंगा कभी भी बड़े हनुमानजी को स्नान करा सकती हैं।

प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार 19 अगस्त को सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर करीब 79.30 मीटर और यमुना का जलस्तर 73.35 मीटर पर है। दोनों नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। स्थिति यह है कि पानी संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान जी के मंदिर के पास पहुंच गया है। नदियों के वृद्धि की रफ्तार इसी तरह रही तो मां गंगा कभी भी हनुमानजी को स्नान करा सकती हैं। लगातार बारिश और जलस्तर में वृद्धि से रिहायशी इलाकों में मुश्किलें बढ़ गई हैं।

गंगा नगर, करेली और राजापुर के निचले इलाकों में स्थित कॉलोनियों में पानी भर गया है। लोग सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं। बाढ़ को देखते हुए प्रशासन ने भी कमर कस ली है। नदियों का पानी बढ़ने के साथ गंगा–यमुना किनारे के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की बेचौनी बढ़ने लगी है। घाटों की सीढ़ियां डूबने, तटवर्ती रास्तों पर पानी पहुंचने और निचले इलाकों में आवागमन प्रभावित होने का खतरा मंडराने लगा है। संगम क्षेत्र, दारागंज, सलोरी, फाफामऊ, नैनी समेत नदी किनारे के इलाकों में लोगों की निगाहें अब लगातार जलस्तर पर टिकी हैं।

चार घंटे में भी जारी रहा बढ़ाव

मंगलवार दोपहर 12 से शाम चार बजे के बीच नैनी में 17 सेंटीमीटर, फाफामऊ में चार सेंटीमीटर और एसटीपी बक्शी बांध पर छह सेंटीमीटर पानी बढ़ा। शाम चार से रात आठ बजे के बीच नैनी में एक, फाफामऊ में चार और छतनाग में चार सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, एसटीपी बक्शी बांध पर इस दौरान जलस्तर 10 सेंटीमीटर घट गया।

खतरे के निशान से अभी नीचे

प्रयागराज में बाढ़ का खतरे का निशान 84.734 मीटर है। फिलहाल गंगा और यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे है। बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से पानी की आवक बढ़ने पर जलस्तर में और तेजी आने की आशंका है।

हनुमान मंदिर में प्रवेश कर सकती हैं गंगा

जलस्तर में वृद्धि की रफ्तार इसी तरह से जारी रही तो संगम तट पर स्थित श्री बड़े (लेटे) हनुमान मंदिर में गंगा जी कभी भी प्रवेश कर सकती हैं। बाढ़ का पानी मंदिर के पास सड़क तक पहुंच गया है। वर्ष 2025 में सावन में मां गंगा ने पांच बार हनुमानजी को अमृत स्नान कराया था। यही स्थिति इस बार भी देखने को मिल सकती है।

रामबाग स्टेशन पर भी भरा पानी

भारी बारिश के बाद शहर की कॉलोनियां और मोहल्ले ही नहीं डूबे बल्कि वीवीआईपी इलाके की सड़कें भी डूब गईं। पूर्वोत्तर रेलवे का रामबाग स्टेशन भी इससे अछूता नहीं रहा। स्टेशन के एक, दो, तीन और चार नंबर प्लेटफार्म डूब गया। इसके कारण कई ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया। कुछ ट्रेनों को पांच नंबर प्लेटफार्म से संचालित किया गया।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद आए हरकत में

भारी बारिश के बाद शहर के वीआईपी और वीवीआईपी इलाकों समेत जार्जटाउन, टैगोरटाउन, कटरा, सोहबतियाबाग, रामबाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज, विधायक हर्षवर्धन का आवास समेत कई जगहों पर पानी भर गया। हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश के इलाके में जलभराव होने के बाद अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। कई पंप लगाकर जल निकासी की व्यवस्था कराई गई। हाईकोर्ट ने मामले में जिलाधिकारी और नगर आयुक्त समेत संबंधित सभी अधिकारियों को तलब कर लिया और तत्काल जल निकासी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा न हो इसके लिए विस्तृत प्लान भी तैयार करने का निर्देश दिया है।

12 सितंबर को ट्रिपलआईटी के दीक्षांत में 648 विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री, 22 पदक घोषित

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के 21वें दीक्षांत समारोह में 648 विद्यार्थियों को डिग्री के साथ–साथ 22 पदक भी दिए जाएंगे। समारोह 12 सितंबर को परिसर स्थित मुख्य सभागार में आयोजित होगा। कुल 22 पदक में से 16 संस्थागत पदक और छह एंडोमेंट मेडल हैं। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के 21वें दीक्षांत समारोह में 648 विद्यार्थियों को डिग्री के साथ–साथ 22 पदक भी दिए जाएंगे। समारोह 12 सितंबर को परिसर स्थित मुख्य सभागार में आयोजित होगा। कुल 22 पदक में से 16 संस्थागत पदक और छह एंडोमेंट मेडल हैं। बीटेक आईटी में कानपुर के किदवई नगर निवासी दिव्यांश ओमर ने चेयरमैन गोल्ड मेडल, इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल और डॉ. टीसीएम पिल्लै मेमोरियल गोल्ड मेडल हासिल किया है। बीटेक ईसीई में कासु साई उषाश्री को इंस्टीट्यूट गोल्ड और मेघा गोयल मेमोरियल गोल्ड मेडल मिला है। आईटी के शाह आर्यन कल्पेशभाई को इंस्टीट्यूट सिल्वर और शशांक वर्मा मेमोरियल गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

एमटेक और एमबीए में भी पदक– एमबीए में गोल्ड यश पंत, सिल्वर प्रशांत और ब्रॉन्ज मेघा केसरवानी को मिला है। एमटेक आईटी में मनसा पीजे, उत्कर्ष चौहान और उत्कर्ष कुमार को क्रमशरू गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मिला। एमटेक ईसीई में मोहम्मद कैफुद्दीन खान, दीपक जोशी और सुषमा को क्रमशः तीनों पदक दिए जाएंगे। एंडोमेंट मेडल में मनसा महेंद्रू और सृष्टि चक्रवर्ती को भी गोल्ड मेडल मिलेगा। एक एंडोमेंट मेडल की सूची अभी अंतिम रूप दिए जाने की प्रक्रिया में है।

मेधावी दिव्यांश ओमर से बातचीत

सवाल रू तीन गोल्ड मेडल मिलेकी जानकारी होने पर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

जवाब रू इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि पहले नहीं हुई थी लेकिन मेरे अंक अच्छे चल रहे थे, इसलिए उम्मीद थी कि मेडल मिल सकता है। हालांकि, पक्की जानकारी नहीं थी। जब तीन मेडल मिलने की पुष्टि हुई तो काफी खुशी हुई।

सवाल रू चेयरमैन गोल्ड मेडल, इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल और डॉ. टीसीएम पिल्लई मेमोरियल गोल्ड मेडल मिलना आपके लिए कितना खास है?

जवाब रू मेरे लिए यह उपलब्धि बहुत खास है। मैं इसे अपनी इंजीनियरिंग डिग्री की सबसे बड़ी उपलब्धियों में मानता हूं, यहां तक कि अपने प्लेसमेंट से भी ऊपर। इसके पीछे चार साल की लगातार मेहनत है। पहले सेमेस्टर से लेकर आखिरी सेमेस्टर तक हर सेमेस्टर में मेहनत की। शुरुआत में मैंने ईसीई से दाखिला लिया था, बाद में ब्रांच बदलकर आईटी में आया और फिर लगातार अच्छे अंक हासिल करने का प्रयास किया।

सवाल रू बीटेक आईटी के दौरान पढ़ाई के लिए आपकी रणनीति क्या रही?

जवाब रू मेरी पढ़ाई की रणनीति बहुत सामान्य थी। मैं क्लास में प्रोफेसर जो पढ़ाते थे, उस पर पूरा ध्यान देता था। खास तौर पर यह समझने की कोशिश करता था कि कौन से टॉपिक महत्वपूर्ण हैं और किन पर प्रोफेसर ज्यादा जोर दे रहे हैं।

बाजारों में बढ़ेगी पुलिस गश्त, व्यापारियों ने उठाई सुरक्षा और भयमुक्त वातावरण की मांग

प्रयागराज। शहर के व्यापारियों ने अपनी सुरक्षा, अतिक्रमण और यातायात व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को लेकर बृहस्पतिवार को पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य और एसीपी यातायात सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठकों में विभिन्न व्यापारी संगठनों ने अपनी बात रखी।

त्रिवेणी सभागार में हुई एक बैठक में जिला महिला व्यापार मंडल की अध्यक्ष अवंतिका टंडन ने सिविल लाइंस की यातायात समस्याओं पर ज्ञापन सौंपा। प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला ने वेंडिंग जोन बनाने का सुझाव दिया ताकि पटरी वाले व्यवस्थित हों और खरीदारी प्रभावित न हो। सरदार हरजिंदर सिंह ने सुभाष चौराहे पर खराब ट्रैफिक सिग्नल और सिविल लाइंस में ई–रिक्शा के जमावड़े से होने वाली बाधाओं को उठाया। इस अवसर पर ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह भी मौजूद रहे। दूसरी ओर, प्रयागराज व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुशांत कुमार केसरवानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डीसीपी सिटी से मुलाकात की। बैठक में संतोष गुप्ता और जूही श्रीवास्तव सहित कई अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

डीसीपी सिटी ने चौक क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं के लिए एक अलग बैठक आयोजित करने की बात कही। व्यापारियों ने कुंभ के समय से लागू पास सिस्टम को लेकर भी अपनी चिंताएं व्यक्त की। डीसीपी सिटी ने पास सिस्टम पर शीघ्र निर्णय लेने का आश्वासन दिया, जिससे आवागमन की परेशानी कम हो सके।

सागर जैन बने शहर के नए डीसीपी

प्रयागराज। शहर की कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को और मजबूत करने के लिए पुलिस आयुक्त पीयूष मोर्डिया ने बृहस्पतिवार को पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी सागर जैन को डीसीपी सिटी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, अब तक डीसीपी सिटी का दायित्व संभाल रहे मनीष कुमार शांडिल्य को डीसीपी साइबर व क्राइम बनाया गया है। सागर जैन मूलरूप से मध्य प्रदेश के होशंगाबाद के रहने वाले हैं। अप्रैल 2026 में प्रयागराज में तैनाती के बाद उन्हें डीसीपी क्राइम की जिम्मेदारी दी गई थी।

प्रयागराज से पहले वह सहारनपुर, मुरादाबाद और वाराणसी में भी विभिन्न पदों पर तैनात रह चुके हैं। अब शहर के डीसीपी के तौर पर उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखना, अपराध की रोकथाम और थाना स्तर की पुलिसिंग को मजबूत करना होगी। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में तैनात एस. दीथी का भी प्रयागराज तबादला किया गया है। उनके पद और नई जिम्मेदारी को लेकर पुलिस मुख्यालय के आदेश के आधार पर विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

प्रयागराज में हादसा: नारीबारी में मजदूरों से भरा ट्रैक्टर हाईवे पर पलटा

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नारीबारी में हाईवे पर ट्रैक्टर पलट जाने से कई मजदूर घायल हो गए। कई लोगों की मौत की भी जानकारी मिली है। घटना के बाद अफरातफरी मच

गई। घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया है।

शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नारीबारी में हाईवे पर ट्रैक्टर पलट जाने से कई मजदूर घायल हो गए। कई लोगों की मौत की भी जानकारी मिली है। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है। हादसा सुरवल साहनी के पास हुआ।

20 हजार पदों पर पुरानी नियमावली से विज्ञापन की मांग को लेकर प्रदर्शन

प्रयागराज। युवा मंच के बैनर तले सैकड़ों अभ्यर्थियों ने वृहस्पतिवार को शिक्षा निदेशालय पर प्रदर्शन किया। वे अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में जीटीजी –पीजीटी के करीब 20 हजार से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती चाहते हैं। अभ्यर्थियों ने पुरानी नियमावली के आधार पर विज्ञापन जारी करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने शासन–प्रशासन से शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने अपर शिक्षा निदेशक को संबोधित एक ज्ञापन संयुक्त निदेशक (जेडी) वित्त महेंद्र कुमार यादव को सौंपा। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि तीन अगस्त को माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ वार्ता हुई थी। इसके बाद 11 अगस्त को मुख्यमंत्री सहित कई अधिकारियों को पत्र भेजा गया। नई नियमावली में कई शैक्षिक अर्हताएं जोड़ी गई हैं। इससे लंबे समय से तैयारी कर रहे लाखों अभ्यर्थी प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। नई नियमावली से भर्ती विज्ञापन जारी करना न्यायसंगत नहीं होगा। नई नियमावली में बीएड की अनिवार्यता, हिंदी विषय की अर्हता में बदलाव शामिल हैं। अनिल सिंह ने चेतावनी दी कि यदि 21 अगस्त की बैठक में अभ्यर्थी हित में निर्णय नहीं लिया गया, तो युवा मंच बड़ा आंदोलन करेगा। प्रदर्शन में एलके चौधरी, बृजेश सिंह सहित सैकड़ों अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

आरआरबी: 3,993 नहीं, 4029 पदों पर होगी नियुक्ति

प्रयागराज। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने जूनियर इंजीनियर (जेई) और डिपो सामग्री अधीक्षक भर्ती में बड़ा संशोधन करते हुए कुल 36 नए पद बढ़ाए हैं। इसके साथ ही अब इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल रिक्तियों की संख्या 3,993 से बढ़कर 4,029 हो गई है। बोर्ड ने आधिकारिक वेबसाइट पर इस संबंध में शुद्धिपत्र जारी कर दिया है। संशोधित अधिसूचना के अनुसार, इस भर्ती में रासायनिक और धातुकर्म सहायक (सीएमए) के 35 पद और सिकंदराबाद बोर्ड के तहत कनिष्ठ अभियंता (विद्युत/टीआरएस) का एक अतिरिक्त पद शामिल किया गया है। नए पदों के जुड़ने के बाद अब इस भर्ती का आधिकारिक नाम बदलकर कनिष्ठ अभियंता, डिपो सामग्री अधीक्षक और रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक भर्ती कर दिया गया है। आरक्षण के लिहाज से देखें तो इन कुल पदों में अनारक्षित वर्ग के लिए 1,714, ओबीसी के लिए 919, एससी के लिए 632, एसटी के लिए 366 और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए 398 सीटें निर्धारित की गई है। रासायनिक और धातुकर्म सहायक के 35 पदों में से सर्वाधिक 15 पद चेन्नई बोर्ड को मिले हैं, जिनमें 11 पद दक्षिण रेलवे और चार पद सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) के लिए हैं। इसके अलावा भोपाल व पटना बोर्ड में सात–सात, गुवाहाटी में चार, तथा प्रयागराज और बंगलूरू बोर्ड में एक–एक पद तय किए गए हैं। योग्य अभ्यर्थी इस भर्ती के लिए निर्धारित तिथियों के तहत अपना आवेदन कर सकते हैं।

वंदे मातरम पर राजनीति छोड़ सरकारें बेरोजगारी-बाढ़ पर ध्यान दें, मायावती ने नेताओं को दिखाया आईना

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि वंदे मातरम पर जारी सियासत ठीक नहीं है और केन्द्र व सभी राज्य सरकारों तथा राजनैतिक दलों को अति-महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देना चाहिये। मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, देश में वंदे मातरम् को पूरा गाना है या शुरुआती दो अंतरे गाने हैं या नहीं गाना है, इसको लेकर जो राजनीति चल रही है, वह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गायन को लेकर हाल में संसद में जो कानून पास किया गया है वह बदलाव का कोई पहला मामला नहीं है। बसपा प्रमुख ने कहा कि केंद्र और राज्यों में सत्ता परिवर्तन के दौरान सभी पार्टियां अपने राजनीतिक स्वार्थ या फायदे के हिसाब से या फिर अपनी कमियों से जनता का ध्यान बांटने के लिए ऐसा करती रहती हैं, यानी एक-दूसरे के बनाए कानूनों को बदलती रहती हैं। मायावती ने कहा कि इस समय देश और जनहित के कई अहम मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, श्श बेरोजगार युवाओं, छात्र-छात्राओं जेन-जी और स्कूली बच्चों जेन-अल्फा के मुद्दे तथा देश के कुछ हिस्सों में आई भयंकर बाढ़ से हो रही जान-माल की हानि जैसे अनेक अति-महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्र और सभी राज्य सरकारों के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों को समुचित ध्यान देना चाहिए।

देशभर में यूपी की राखियों की धूम, ग्रामीण महिलाओं की बनाई राखियों की हाई डिमांड

लखनऊ (संवाददाता)। इस रक्षाबंधन भाइयों की कलाइयों पर उत्तर प्रदेश की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हुनर और आत्मनिर्भरता का रंग नजर आएगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी करीब 5000 महिलाएं आकर्षक और हस्तनिर्मित राखियां तैयार कर रही हैं। प्रयागराज, वाराणसी, बागपत, बुलंदशहर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, उन्नाव, शामली, जौनपुर और मिर्जापुर समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में राखियों का निर्माण हो रहा है। महिलाओं द्वारा तैयार राखियों की स्थानीय बाजारों के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी मांग बढ़ी है। ई-सरस समेत विभिन्न ई-कॉमर्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए इन उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाया जा रहा है। मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि फर्रुखाबाद और नोएडा के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार राखियों की ई-सरस पर लगातार अच्छी मांग मिल रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ने के कारण ग्रामीण महिलाओं के उत्पाद अब स्थानीय बाजारों तक सीमित नहीं हैं। ई-कॉमर्स के माध्यम से उन्हें नए ग्राहक मिल रहे हैं। साथ ही पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार की मांग के अनुसार उत्पाद तैयार करने का अनुभव भी मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा राखी निर्माण से उनकी आय बढ़ने के साथ ग्रामीण संस्कृति और महिलाओं की रचनात्मकता को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे सरकार के 'लोकल फॉर लोकल' संकल्प को गति मिलेगी और महिला उद्यमिता तथा आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की मुहिम मजबूत होगी।

भारतीय गौरव बोध की संवाहक भाषा संस्कृत: प्रो. आशुतोष

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत सप्ताह उत्सव का शूक्रवार को उद्घाटन किया गया। संस्कृत सप्ताह उद्घाटन समारोह में भारतीय चिन्तनधारा में संस्कृत की उपयोगिता विषयक विमर्श कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश स्वदेशी जागरण मंच के मेला प्रमुख संस्कृत विद्वान डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप कमें सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. अशोक कुमार पाठक मौजूद रहे। सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने अध्यक्षता की। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन किया। नितिन त्रिपाठी ने वैदिक मंगलाचरण किया। फलक खुशी पूनम ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कुलगीत का प्रसारण किया गया। राष्ट्रगीत के बाद संस्कृत विभाग द्वारा निर्मित शार्ट संस्कृत मूवी का विद्वानों ने अवलोकन किया। हरियाली गुरु प्रो. एन. बी. सिंह ने सभी विद्वानों को पौध भेंटकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने स्वागत भाषण तथा विषय प्रवर्तन किया। मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा शोध के लिए मूल स्रोत है। इसकी उपजीव्यता सार्वकालिक है। संस्कृत के गर्भ में ज्ञान,विज्ञान, अध्यात्म, दर्शन का भाव समाहित है। स्वदेशी भाषा के रूप में संस्कृत भाषा पर भारतीयों को गर्व है। विशिष्ट अतिथि पं. अशोक कुमार पाठक ने कहा की संस्कृत मानव की आचार संहिता है। संस्कृत से इष्ट अर्थ की प्राप्ति होती है। समाज और संस्कार का संतुलन करने वाली भाषा संस्कृत है। कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि संस्कृत इतिहास को समृद्ध करती है। आत्मा के निजता की भाषा संस्कृत है। यह देववाणी के साथ लोकवाणी भी है। अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि पारिवारिक एकता और मानवीय संवेदना को प्रेरित करने का भाव संस्कृत में सर्वाधिक है। संस्कृत की ऊर्जा भारतीयों के रक्त में प्रवाहित है। डीन सामाजिक विज्ञान संकाय और विभागाध्यक्ष प्रो.आशुतोष कुमार सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि संस्कृत मानव के मानस को स्वस्थ करती है। मानवता और लोक चिन्तन का संचार करती है। स्वस्थ समाज का निर्माण करती है। भारतीय गौरव बोध की संवाहक भाषा संस्कृत है जो समस्त भाषाओं की मूल है। संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ. पीयूष मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। शिक्षिका डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर आचार्य सीताकान्त शास्त्री, प्रभात तिवारी, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. मनोज यादव, डॉ. सौरभ द्विवेदी, शिखा श्रीवास्तव, सागर मिश्रा, संजीत, राघवेंद्र द्विवेदी,आयूष सहित विश्वविद्यालय के सैकड़ों प्राध्यापक, विद्यार्थी और कर्मचारी की उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि संस्कृत सप्ताह उत्सव में संस्कृतगीत, संस्कृतश्लोक, संस्कृत सामान्य ज्ञान, तथा उत्कृष्ट शोधपतत्र वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बकुलाही की प्राचीन और नई धारा का हुआ संगम

बकुलाही पुनरोद्धार सफल - दोनों धाराओं से बह रहा पानी, प्रीति समाज संग समाज शेखर ने किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। सावन की बारिश से रामायण कालीन बकुलाही नदी की प्राचीन पुनरोद्धारित धारा सहित नई धारा एक साथ जीवंत हो उठी है। भयहरणनाथ धाम तीर्थ क्षेत्र के महासचिव एवं बकुलाही पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने पत्नी प्रीति समाज के साथ बासू राजा पुल से स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही नदी व भयहरणनाथ तीर्थ क्षेत्र का सघन भ्रमण किया।

बकुलाही पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि बकुलाही की प्राचीन धारा का पुनरोद्धार 28 अगस्त 2011 से निरंतर जारी है। बकुलाही पुनरोद्धार अभियान का सफल नतीजा है कि दैवीय कृपा से आज वर्षों बाद एक साथ दोनों धाराओं से जल बह रहा है। डायवर्जन डैम सहित प्रस्तावित अन्य सरकारी योजनाओं को पूर्ण करा कर नदी को सदा नीरा किए जाने का प्रयास जारी है। अभी हाल ही में जिलाधिकारी व विधायक के साथ इस संबंध में समाज शेखर ने मुलाकात कर अपनी बात रखी थी।

प्रीति समाज संग समाज शेखर ने छतौना, मनेहु, शिवरा, हैन्सी, भटपुरवा, ढेमां आदि क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों व नदी कार्यकर्ताओं से संवाद कर सुझाव लिए।

शिवरा सहित कई स्थानों पर पुलिया डूबने से आवागमन बाधित है। बाढ़ के बाद करीब 1 मीटर जलस्तर घटा है। 8वीं सदी के प्राचीन सूर्य मंदिर का दर्शन पूजन हुआ। वहीं शिवरन देवी धाम शिवरा ग्राम व गौरा देवी स्थान तक बाढ़ की वजह से रास्ते कटे होने के कारण नहीं पहुंचा जा सका।

नदी विशेषज्ञ समाज शेखर ने कहा कि ईश्वरीय आशीर्वाद से दोनों धाराओं में जल की कमी नहीं है। निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर जल्द सरकार, समाज व जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी, ताकि प्राचीन धारा के संरक्षण हेतु समग्र रूप से ठोस कदम उठाए जा सकें।

इस दौरान बिभव सिंह, धर्मेंद्र पटेल, मो जलालुद्दीन, सुरेंद्र पटेल, राज कुमार शुक्ल, राज कुमारी पटेल, मोती लाल पटेल व अभय सरोज शामिल रहे।

गंगानाथ झा परिसर से निकली भव्य संस्कृत शोभायात्रा

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत आज भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा का आयोजन संस्कृत भाषा के साथ देश की संस्कृति के समन्वय को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया गया। संस्कृत शोभायात्रा में भारत वर्ष की संस्कृति को संस्कृत के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। परिसर के

सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन तथा परिसर के निदेशक (प्रभारी) प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय के मार्गदर्शन में परिसर के मुख्य प्रांगण से निर्गत हुई यह शोभा यात्रा "जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्", "संस्कृतं विना न संस्कृतिरू", "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी", "ज्ञानेन शोभते संस्कृतम्" तथा "सा विद्या या विमुक्तये" जैसे ध्येय वाक्यों को पट्टिकाओं के रूप में अपने हाथों में सहेजे परिसर के छात्र-छात्राओं का समूह सर्वप्रथम भारत वर्ष के अमर बलिदानी चन्द्रशेखर आजाद के बलिदान स्थल पर उनके सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित करने पहुँचा। अमरबलिदानी चन्द्रशेखर आजाद के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उपरान्त यह शोभा यात्रा "जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्" एवं "भारत माता की जय" तथा "वन्दे मातरम्" के गगनभेदी उद्घोष के साथ महर्षि भरद्वाज आश्रम की ओर बढ़ गई। संस्कृत शोभा यात्रा में सम्मिलित समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र-छात्राओं ने महर्षि भरद्वाज को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। शोभायात्रा का संयोजन परिसर के सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी एवं सहायकाचार्य अंकित मिश्र द्वारा किया गया। शोभा यात्रा में भारत वर्ष के विभिन्न क्षेत्रों से आये प्राक्शोध पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने अपनी अपनी पारम्परिक वेशभूषा में सम्मिलित होकर भारत वर्ष की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया। शोभायात्रा में परिसर के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ साथ शोध छात्र-छात्राएँ, एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राएँ भी सम्मिलित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

No. सीवी/न्यू आवंटन/प्रयागराज/2026 दिनांक: 19.08.2026

ई-निविदा अधिसूचना सं.-01/कैटरिंग/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा की पद्धति से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल द्वारा सिंगल स्टेज टू पैकेट सिस्टम यानी पैकेट 'ए' जिसमें तकनीकी बोली और पैकेट 'बी' केवल वित्तीय बोली शामिल हो के अंतर्गत प्रयागराज मण्डल के प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़ मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर एवं सूबेदारगंज रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों हेतु खान-पान स्टाल के माध्यम से खान-पान सुविधा प्रदान करने हेतु (जनरल माइनर यूनिट) निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नलिखित है:- एनेक्जर-जेड

Bid No	Stn	PF	Catg. of stn.	GMU Unit No.	Type of Unit	Minimum Reserve Price for 01 year (In Rs.)	Minimum Reserve Price for 05 year (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Tender Cost Including GST (Non refundable (In Rs.)	Location
2/26	PRYJ	01	A-1	PRYJ/01/01/26	GMU	583968	3036634	60800	3540	Water hydrant-140 infront PF-01
3/26	PRYJ	02/03	A-1	PRYJ/02/03/02/26	GMU Women	1220999	6349195	127000	5900	Between Pole no. 02 & 03 HWH End
4/26	PRYJ	04/05	A-1	PRYJ/04/05/03/26	GMU	2962080	15402816	227100	5900	Water Hydrant no. 47 (toward PF no.04)
5/26	PRYJ	07/08	A-1	PRYJ/07 08/04/26	GMU Women	2786619	14490419	222500	5900	Water hydrant-120 infront PF-08
6/26	CNB	04/05	A-1	CNB/04/05/01/26	GMU	3344882	17393387	237000	5900	Between shed pole No. 46 & 47 infront of OHE Pole no.1048 towards PF no. 04
7/26	ALJN	07	A	ALJN/07/01/26	GMU Women	393960	2048592	4100	3540	Between OHE pole No. 3005 & 3009 beside CMI/Office in Station Building
8/26	MZP	02/03	A	MZP/02/03/01/26	GMU	375100	1950520	39100	2360	Between RMS & Passenger Shed
9/26	PCOI	03/04	B	PCOI/03/04/01/26	GMU	2625216	13651124	218300	5900	Middle of OHE pole no. 816/1017 & 816/1010
10/26	PCOI	03/04	B	PCOI/03/04/02/26	GMU	2244000	11668800	208400	5900	Between OHE pole No. 816/1057 & and 816/1016 up side under FOB Ramp
11/26	PCOI	02	B	PCOI/02/03/26	GMU Woman	286440	1489488	29800	2360	Between Ladies & Gents Toilet
12/26	PCOI	02	B	PCOI/02/04/26	GMU	286440	1489488	29800	2360	Between OHE pole No. 816/204 & Location no. L-38
13/26	PCOI	02	B	PCOI/02/05/26	GMU	286440	1489488	29800	2360	Between 3rd & 4th platform shed pillar from WVM HWH end
14/26	MKP	04/05	B	MKP/04/05/01/26	GMU	332400	1728480	34600	2360	Between OHE pole No. 3026 & 3024
15/26	SFG	02/03	B	SFG/02/03/01/26	GMU	255024	1326125	26600	2360	Located about 12 mtr from the FOB landing point (Km 829/1009) towards the Delhi side.
16/26	SFG	01	B	SFG/01/02/26	GMU Woman	255024	1326125	26600	2360	Beneath the second shed located towards the Delhi end, approximately 5 meters from water booth number 08, towards the HWH end

नोट:- (i) प्रत्येक यूनिट के लिए अलग-अलग निविदा प्रपत्र अपलोड किये जायेंगे। संयुक्त निविदा स्वीकार नहीं किये जायेंगे। (ii) खानपान यूनिट का स्थान केवल संकेतक है। (iii) सीलिंग लिमिट के अनुपालन में खानपान स्टाल का आवंटन क्रमिक किया जायेगा।

निविदा प्रपत्र को अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 11.09.2026 को समय 15:00 बजे तक
निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि व समय	दिनांक 11.09.2026 को समय 15:30 बजे तक
संपर्क प्राधिकरण	SR. DIVISIONAL COMMERCIAL MANAGER, DIVISIONAL RAILWAY MANGER, NORTH CENTRAL RAILWAY, NAWAB YUSUF ROAD, CIVIL LINE,PRAYAGRAJ-211001, Fax No: 0532-2407981

ई-निविदा अधिसूचना, निविदा प्रपत्र/दस्तावेज एवं नियम व शर्तें इन्टरनेट वेबसाइट- www.ireps.gov.in में डाउनलोड किया जा सकता है एवं ई-निविदा अधिसूचना उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी देखा जा सकता है। 1915/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

निशानी है रिश्तों की

(छप्पय)

बचपन की हर याद सुहानी ले आते हैं।
कटहल बड़हल आम बुआ-घर जब जाते हैं।
दादा जी ने पौध लगाई थी वृक्षों की।
उनकी यह पहचान निशानी है रिश्तों की।
साथी बनकर साथ रह नातों में भर प्राण को।
उपवन ज़िन्दा रख रहे वर्तमान के बन्ध को।।

मधुरम हास्य-विनोद सावनी रिमझिम रिमझिम।
काले घन घनघोर जहाँ थे अरुणिम अरुणिम।
इन सबके ही साथ बुआ की अप्रितम बातें।
याद दिलाती नीम सुखद पल की वे रातें।
रिश्तों के हर चाह में नेह, प्रेम मनुहार थे।
जिसके अंतस में जहाँ रहते प्रिय त्योहार थे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

तैलिक साहू राठौर महासभा ने पूर्व सीएम कल्याण सिंह को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तर प्रदेश और भाजपा ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय के सामने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कल्याण सिंह रामभक्त, जनप्रिय नेता और पिछड़े वर्ग के सशक्त प्रतिनिधि थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में राष्ट्रहित और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुशासन को मजबूती मिली और राम मंदिर आंदोलन को नई दिशा मिली। वक्ताओं ने कहा कि कल्याण सिंह का जीवन त्याग, समर्पण और राष्ट्रवाद की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति और भाजपा के संगठन में कल्याण सिंह के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। इस दौरान सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए उन्हें कोटि-कोटि नमन किया।

एटीएम मशीन काटकर लूटने की कोशिश, एक गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज में गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब 12.30 बजे बदमाशों ने एटीएम लूटने की कोशिश की। बिना नंबर की सफेद कार से पहुंचे बदमाशों ने एटीएम को काटकर कैश निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान ग्रामीणों को आहट हुई तो उन्होंने शोर मचा दिया। ग्रामीणों को आता देख बदमाश एटीएम की स्क्रीन और कुछ सामान लेकर कार से भाग निकले। सूचना मिलते ही पुलिस ने बदमाशों का पीछा शुरू कर दिया। पुलिस ने एक बदमाश को कार समेत पकड़ लिया, जबकि उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि फरार साथी और घटना में शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। इंडिया वन एटीएम के फ्रेंचाइजी पार्टनर और आलमबाग के मवइया निवासी राहुल गुप्ता ने बताया कि मोहनलालगंज कस्बे में मौरावां रोड पर उनका इंडिया वन एटीएम लगा है। 20,21 अगस्त की रात करीब 12.30 बजे कार से आए कुछ बदमाशों ने एटीएम मशीन का ऊपरी हिस्सा तोड़ दिया। बदमाश स्क्रीन, की-पैड, कार्ड रीडर, मशीन का लोगो और अन्य पुर्जे अपने साथ ले गए। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने एटीएम में लगा कैमरा भी तोड़कर चोरी कर लिया। आसपास के लोगों से फोन पर सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचे और नुकसान की जानकारी हुई। राहत की बात यह रही कि बदमाश एटीएम से नकदी चोरी करने में सफल नहीं हो सके।

उत्तर मध्य रेलवे

रेल मंत्रालय
[उत्तर मध्य रेलवे (गति शक्ति यूनिट)]

सार्वजनिक सूचना

(अन्तर्गत धारा 20 (एफ) रेलवे अधिनियम-1989)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार ने रेलवे अधिनियम-1989 की धारा धारा 20 (एफ) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये भारत सरकार के राजपत्र असाधारण भाग-II खण्ड-3 उप-खण्ड (II) में अधिसूचना संख्या का0आ0 1450 (अ) नई दिल्ली दिनांक 02.03.2026 एवं के द्वारा अधिसूचना संख्या का0आ0 3900 (अ) नई दिल्ली दिनांक 10.07.2026 के द्वारा यह घोषणा की थी कि उत्तर प्रदेश राज्य में रेल परियोजना अर्थात अथसरायं स्टेशन पर गुड्स शेड के निर्माण हेतु भूमि अत्यान्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित होगी। दैनिक समाचार पत्र द टाइम्स आफ इण्डिया एवं दैनिक जागरण दिनांक 28.07.2026 को प्रकाशित धारा 20ई में ग्राम-हिसामपुर माढ़ो, तालुक-सिराथू के गाटों के समक्ष अंकित भू-खण्डों/क्षेत्रफल के सम्बन्ध में अपने प्रतिकर दर निर्धारण सम्बन्धित यदि किसी प्रकार का दावा प्रस्तुत करने से छूट गया हो तो उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा प्रतिकर स्वरूप धनराशि का निर्धारण नियमानुसार अन्तिम रूप से कर दिया जायेगा।

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0),
सक्षम प्राधिकारी (भू0अ0), कौशाम्बी

1921/26(K)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पीआरजाईजे-सिग-030-2026-27 दिनांक: 19.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता / समा0 उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वाराई-टेन्डरके द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र. सं. 1	निविदा नं.: 030	निविदा खुलने की तिथि: 16.09.2026

कार्य का विवरण: (ए) प्रयागराज मंडल के नैनी-मानिकपुर खण्ड में कि0मी0 1313/0-1 पर एल सी-415.ए के बदले आर0ओ0बी निर्माण के लिये सिगनलिंग कार्य और (बी) कि0मी0 1346/31-33 एलसी नम्बर 3480 पर सीढ़ी (एफ0ओ0बी) के साथ पैड सेपरेटर का निर्माण।

अनुमानित मूल्य : 4259015.97	बिड सिक्यूरिटी : 85200.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00	कार्य समापन की अवधि: बारह माह

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 3. धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टाम्प अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। 4. निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी। 5. निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक। 6. निविदा हैंडलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 1924/26(AK)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

पुलिस दमन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

जंतर–मंतर पर 20 जुलाई को छात्रों के हक की मांग उठा रहे प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने जो अत्याचार पर किया है, उसके खिलाफ दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की और एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जोयमाल्या बागची और न्यायाधीश वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि इस समिति में सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व जज, किसी हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और एक वरिष्ठ रिटायर्ड पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि इस उच्चस्तरीय पैनल को मामले के तथ्य जुटाने का काम सौंपा जाएगा और इसे समय–समय पर अपनी रिपोर्ट देनी होगी, जिसके आधार पर न्यायालय आवश्यक निर्देश जारी करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि समिति महिला प्रदर्शनकारियों के साथ यौन उत्पीड़न, ऑनलाइन उत्पीड़न (साइबर बुलिंग) और सोशल मीडिया के जरिए संवेदनशील,कमजोर वर्ग के लोगों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी। शीर्ष अदालत के इस फैसले से यह तो स्पष्ट हो चुका है कि जंतर–मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे निहत्थे लोगों पर दमनकारी उपाय आजमाए गए थे। हालांकि 20 जुलाई के सैकड़ों–हजारों वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं, जिनमें नजर आ रहा है कि प्रदर्शनकारियों को मारा–पीटा गया। पीटने वालों में पुलिस की वर्दी पहने लोग भी हैं, जिनमें कईयों की वर्दी पर कोई नाम नहीं है, वहीं कुछ लोग सादे कपड़ों में भी पीटते हुए दिखे। किसी लड़की को पुरुष पुलिसकर्मी ने पीटा तो किसी तिरंगा पकड़े हुए लड़के को पुलिस ने उठा कर पटक दिया, जिससे उसके हाथों से तिरंगा भी जमीन पर गिरा। राहुल गांधी ने तो प्रदर्शनकारियों पर बर्बरतापूर्ण तरीके से पैलेट गन के इस्तेमाल का भी न केवल आरोप लगाया, बल्कि उससे घायल लोगों को मीडिया के सामने प्रस्तुत भी किया। सरकारी अस्पतालों की भी रिपोर्ट आई है कि कम से कम 10 मरीज ऐसे आए जो पैलेट गन से घायल हुए हैं। विपक्षी दलों ने सरकार से इसी पर जवाब मांगा कि प्रदर्शनकारियों पर ऐसे भयावह दमन की इजाजत किसने दी। लोकतंत्र के सबसे बड़े स्थल संसद में बाकायदा सरकार से सवाल पूछा गया, लेकिन जवाब देने की जगह गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में आना ही जरूरी नहीं समझा। इधर मंगलवार को ही संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस कार्रवाई के लिए दिल्ली पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि इतने बड़े आंदोलन के बावजूद किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई, किसी की एक हड्डी नहीं टूटी और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन का पैमाना बड़ा था और इसमें कथित तौर पर कुछ श्अपराधीश भी छात्रों के रूप में शामिल हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी, श्डफली बजाने वाले प्रदर्शनकारियोंश, भीम आर्मी और समाजवादी पार्टी से जुड़े कई लोग आंदोलन में आए और उन्होंने लोगों को भड़काया। इसके बाद भाजपा शासन के चिर–परिचित अंदाज में किरण रिजिजू ने कांग्रेस की गलती बताते हुए कहा कि उस के शासनकाल में कई आंदोलनों में हजारों लोगों की मौत हुई थी। उनके मुताबिक, अगर इसी तरह का आंदोलन कांग्रेस के शासनकाल में हुआ होता तो स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर हो सकती थी। समझ नहीं आता कि 12 साल सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा कब तक कांग्रेस सरकार के दौर को याद करती रहेगी। किरण रिजिजू ने कह दिया और सामने सवाल कर रहे पत्रकार ने पलट कर पूछा भी नहीं कि कांग्रेस शासन के किस दौर में हजारों लोग आंदोलनों में मारे गए। अगर ऐसा सवाल किया होता तो पता चलता कि किरण रिजिजू तथ्यों पर बात कर रहे हैं या नहीं। जिस तरह उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति की भी मौत नहीं हुई, एक भी हड्डी नहीं टूटी, तो क्या सरकार में बैठे लोग यही चाहते हैं कि प्रदर्शनकारियों के साथ ऐसा कुछ बुरा हो। दिल्ली पुलिस को क्लीन चिट देते हुए श्री रिजिजू ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान दिल्ली प्रशासन ने शुरुआत में एक भी लाठी का इस्तेमाल नहीं किया। प्रदर्शनकारियों को तब रोका गया जब उन्होंने जबरन संसद की ओर मार्च करने की कोशिश की। मान लेते हैं कि पुलिस द्वारा बल प्रयोग का यही सही कारण है। लेकिन सवाल फिर भी उठता है कि अमित शाह ने यही बात संसद में आकर क्यों नहीं बता दी। बिना वजह पूरा मानसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। सवाल यह भी है कि जब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई होनी ही थी तो उससे पहले किरण रिजिजू ने इस पर दिल्ली पुलिस को सही कैसे ठहरा दिया। क्या न्यायाधीन मामले पर टिप्पणी करने से पहले उन्होंने विचार नहीं किया। गृहमंत्री ने अब तक इस मामले पर अपनी तरफ से कुछ नहीं कहा है।

क्या कैप्टन ने सरकार के कप्तान पर ही सवाल उठा दिये हैं?

नीरज कुमार दुबे

पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने व्यक्ति–केंद्रित राजनीति पर सवाल उठाते हुए एक बड़ा राजनीतिक सवाल दागा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पिछले एक दशक की उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए कैप्टन ने अंग्रेजी समाचार–पत्र में अपने आलेख के जरिए यह संकेत दिया है कि अब भाजपा और देश की राजनीति को सिर्फ एक नाम और एक व्यक्ति के इर्द–गिर्द सिमटने की बजाय मजबूत संस्थाओं, जवाबदेही और स्थायी लोकतांत्रिक ढांचे की ओर बढ़ना चाहिए। एक तरह से कैप्टन ने भाजपा को भी सलाह दे डाली है कि मोदी–इज़्म की अगली मंजिल केवल मोदी के नाम पर आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी संस्था–केंद्रित व्यवस्था खड़ी करना होनी चाहिए, जो किसी एक नेता से परे जाकर देश की राजनीतिक और प्रशासनिक ताकत को स्थायी आधार दे सके। अपने आलेख में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि नरेंद्र मोदी के दौर ने भारतीय राजनीति और शासन की दिशा बदल दी है। उनके अनुसार, मोदी ने भारतीय जनता पार्टी को राजनीति के एक सीमित दायरे से निकालकर देशव्यापी शक्ति में बदला। डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, वित्तीय समावेशन, स्वच्छता, आवास, बिजली और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में हुए कामों का उल्लेख करते हुए उन्होंने माना कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि सरकार की पहुंच और डिलीवरी क्षमता का विस्तार रही है। लेकिन कैप्टन का असली संदेश इससे आगे जाता है। उनका तर्क है कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता को केवल एक शक्तिशाली नेता की उपलब्धियों से नहीं मापा जा सकता।

उर्दू कविताओं में श्री कृष्ण भक्ति

डॉ अजय मालवीय

रामायण और महाभारत की भांति श्रीमद् भागवत गीता के भी अनुवाद उर्दू भाषा में प्रचुर मात्रा में हुए हैं। मेरे शोध के अनुसार अब तक लगगभग डेढ़ सौ अनुवाद उर्दू भाषा में हो चुके हैं। हिंदू रचनाकारों के साथ साथ मुस्लिम साहित्यकारों ने भी श्रीनमद् भागवत गीता का अनुवाद बड़ी कुशलता पूर्वक किया है। श्रीमद् भागवत गीता और प्रभु श्री कृष्ण जी की महिमा एवम् महत्ता का वर्णन श्रद्धा एवम् भक्ति से उर्दू कविताओं में प्रस्तुत करने वाले कवियों में विशेष रूप से नज़ीर अकबराबादी,भ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मोहसिन काकोरवी, हसरत मोहानी, हफ़ीज़ जालंधरी, फ़िराक़ गोरखपुरी, ख़्वाजा दिल मोहम्मद, सागर निज़ामी, रईस पानीपती, सीमाब अकबराबादी, चंद्र भान कैफ़ी देहलवी, शान उल हक़ हक़ी निदा फाजिली, अनवर जलालपुरी, बिस्मिल इलाहाबादी और जाफर रज़ा इत्यादि ।

नज़ीर अकबराबादी को उर्दू भाषा में कविता का जन्मदाता कहा जाता है। नज़ीर पूर्णतः भारतीय कवि है जिसने भारत की धार्मिक एवम् सांस्कृतिक, और भारतीय जीवन शैली एवम् भारतीय दर्शन को अपनी उर्दू कविताओं में प्रमुखता से प्रस्तुत किया है। नज़ीर अकबराबादी भारत के धर्म एवम् संस्कृति के ध्वजवाहक हैं। भगवान श्री कृष्ण जी की भक्ति से ओतप्रोत उन्होंने प्रचुर मात्रा में कविताएँ लिखी हैं। जन्म कन्हैया जी, बालपन बांसुरी बजैया का, खेलकूद कन्हैया जी का, कन्हैया जी की रास और ब्याह कन्हैया जी का इत्यादि कविताओं में नज़ीर अकबराबादी की भगवान श्री कृष्ण जी से सच्ची भक्ति एवम् श्रद्धा देखी जा सकती है।

भगवान श्री कृष्ण जी के बचपन और रास लीलाओं की जीती जागती तस्वीर उन्होंने अपनी कविता बालपन बांसुरी बजैया का में बड़ी कुशलता और सफलता के साथ प्रस्तुत किया है। इस संदर्भ में उनकी कविता बालपन बांसुरी बजैया का से कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैंरू

उनको तो बालपन से न था कम कुछ ज़रा।
संसार की जो रीत थी उसको रखा बजा।।
मालिक थे वो तो आप ही उन्हें बालपन से क्या।
वाँ बालपन, जवानी,बुढ़ापा, सब एक था।।
ऐसा था बांसुरी के बजैया का बालपन।
क्या क्या कहूँ मैं किशन कन्हैया का बालपन।।
बाले हो बृजराज जो दुनिया में आ गए।
लीला के लाख रंग तमाशे दिखा गए।।
इस बालपन के रूप में कितनों को भा गए।
इक ये भी लहर थी कि जहाँ में को जता गए।।
ऐसा था बांसुरी के बजैया का बालपन।
क्या क्या कहूँ मैं किशन कन्हैया का बालपन।।

आधुनिक हिंदी गद्य के जन्मदाता पंडित भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने अपने लेखन का प्रारंभ उर्दू ग़ज़ल से किया। साहित्य अकादमी नई दिल्ली ने उनकी गजलों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया है। उर्दू में उन्होंने रसा के नाम से ग़ज़लें लिखी हैं लेकिन तथाकथित मुस्लिम साहित्यकारों ने उनकी उत्कृष्ट ग़ज़लों को प्रोत्साहित नहीं किया। जिसका परिणाम यह हुआ कि उन्होंने उर्दू दुनिया को छोड़कर हिंदी गद्य लेखन में अपना कार्य प्रारंभ किया और वर्तमान में वह आधुनिक हिंदी गद्य के जन्मदाता कहे जाते हैं। भगवान श्री कृष्ण से उनकी भक्ति एवम् श्रद्धा के रंग में रंगा हुआ यह दो पंक्तियां उद्धृत हैंरू

जहाँ देखो वहाँ मौजूद मेरा कृष्ण प्यारा है।
उसी का सबसे जलवा जो जहाँ में आशकारा है।।

हसरत मोहानी भगवान श्री कृष्ण जी के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व से प्रभावित दिखाई देते हैं। लीलाधारी प्रभु श्री कृष्ण के प्रेम रस में हसरत मोहानी सराबोर नज़र आते हैं। निम्नलिखित पंक्तियां उनकी सच्ची श्रद्धा एवम् भक्ति को प्रस्तुत करते हैंरू

हसरत की भी क़बूल हो मथुरा में हाज़िरी।
सुनते हैं आशिक़ों पे तुम्हारा करम है आज।।
प्याम ए हयात जावेदाँ था ।
हर नग़मा कृष्ण बांसुरी का।।

सीमाब अकबराबादी को भगवान श्री कृष्ण से अगाध प्रेम था। उन्होंने अपनी कविता श्री कृष्ण में लीलाधारी श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व और उनके दार्शनिक सिद्धांतों को अपनी कविता में प्रस्तुत किया है। इस कविता में उन्होंने भगवान श्री कृष्ण जी को हिन्दुस्तान का पैगंबर स्वीकार किया है और उन्होंने इस कविता में विशेष रूप से इस बात पर बल प्रदान किया है कि भगवान श्री कृष्ण जी का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रेम रस का संचार करना था। इस संदर्भ में उनकी दो पंक्तियां उद्धृत हैंरू

दिलों में रंग मोहब्बत का उस्तवार किया।
स्वाद ए हिंद को गीता से नग़मा बार किया।।

फ़िराक़ गोरखपुरी ने अपनी कविताओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति एवम् श्रद्धा में गीत गाये हैं। कारागार में श्री कृष्ण जन्म के बाद वसुदेव जी का गोकुल में नंद जी के यहाँ काली रात में श्री कृष्ण को ले जाने की अद्भुत झांकी फ़िराक़ गोरखपुरी ने अपनी कविता में प्रस्तुत की है।फ़िराक़ गोरखपुरी का कृष्ण की भक्ति एवम् श्रद्धा में डूबी हुई दो पंक्तियां उद्धृत हैंरू

वो रातों रात श्री कृष्ण को उठाए हुए।
बला की क़ैद से वसुदेव का निकल जाना।।

फ़िराक़ गोरखपुरी ने राधा के अपार सौंदर्य को अपनी कविता का विषय बनाया है। प्रातःकाल राधा के सो कर उठने के मनोरम दृश्य को फ़िराक़ गोरखपुरी ने अपनी रुबाई में बड़ी कुशलता पूर्वक प्रस्तुत किया है। जिसमें भारतीय नारी का सौंदर्य उभरकर हमारे सामने आता है।इस संदर्भ में उनकी दो रुबाइयां प्रस्तुत हैंरू

जब पिछले पहर प्रेम की दुनिया सो ली।
कलियों की गिरह पहली किरन ने खोली।।
जोबन रस छलकाती उठी चंचल नार।
राधा गोकुल में जैसे खेले होली।।
मधुबन में बसंत सा सजीला है वो रूप।
बरखा की तरह रसीला है वो रूप।।
राधा की झपक कृष्ण की बरजोरी है।
गोकुल नगरी की रासलीला है वो रूप।।

रईस पानीपती ने भगवान श्री कृष्ण जी की भक्ति एवम् श्रद्धा से ओतप्रोत कविताऐं लिखी हैं। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम में प्रभु श्री कृष्ण के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं। रईस पानीपती का श्री कृष्ण के भक्ति रस में डूबा हुआ एक छंद उद्धृत हैरू

एक प्रेम पुजारी आया है चरणों में ध्यान लगाने को।
भगवान तुम्हारी सूरत पर श्रद्धा के फूल चढ़ाने को।।
उपदेश धरम का देकर फिर बलवान बना दो भक्तों को।
ऐ मोहन जल्द जुबाँ खोलो गीता का राज़ बताने को।।

चर्ख़ा चिनौटी ने अपनी कविताओं के माध्यम से प्रभु श्री कृष्ण की महिमा का गुणगान उर्दू शाइरी में बड़ी निपुणता और सफलता के साथ किया है। ये दो पंक्तियां कवि की भगवान श्री कृष्ण की प्रेम, श्रद्धा एवम् भक्ति को उजागर करता हैरू

मेरी दुनिया संवार दी उसने।
मेरी रूहे रवाँ है मेरा कृष्ण।।

शाहनामा इस्लाम के रचयिता हफ़ीज़ जालंधरी ने भगवान श्री कृष्ण की महिमा के गीत बड़े आनबान और शान के साथ गाया है। भगवान श्री कृष्ण जी से हफ़ीज़ जालंधरी की सच्ची निष्ठा, प्रेम और भक्ति का अनूठा और अनमोल उदाहरण उनकी कविताओं में देखा जा सकता है। इस संदर्भ में हफ़ीज़ जालंधरी की कविता कृष्ण कन्हैया की कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैंरू

ऐ देखने वालों
उस हुस्न को देखो
उस राज को समझो
यह पैकर ए तनवीर
यह कृष्ण की तस्वीर
माइनी है कि सूरत
सनअत है कि फ़ितरत
ज़ाहिर है कि मस्तूर
नज़दीक है कि दूर
यह नार है या नूर
दुनिया से निराला
यह बाँसुरी वाला
गोकुल का ग्वाला
है सहर कि एजाज़
क्या शान है वा अल्लाह
क्या आन है वा अल्लाह

सागर निज़ामी की कविता पनघट की रानी में भगवान श्री कृष्ण की महिमा और भक्ति विशेष रूप से दिखाई पड़ती है। कवि ने अपने सारगर्भित विचारों की अभिव्यक्ति इस कविता में बड़ी कुशलता और सफलता के साथ प्रस्तुत किया है। राधा के पनघट पर जाने और श्री कृष्ण जी के मुरली के जादू की छवि को बड़ी खूबसूरती के साथ वर्णित किया है। सागर निज़ामी की चर्चित कविता पनघट की रानी के कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैंरू

रग रग जिसकी है बाजा नस नस ज़ंजीर।
कृष्ण मुरारी की बंसी है या अर्जुन का तीर।।
सर से पा तक शोखी की वो इक रंगीं तस्वीर।
पनघट व्याकुल जिसकी ख़ातिर चंचल जमुना नीर।।
जिस का रास्ता टुक टुक देखे सूरज सा रहगीर ।
आई पनघट की देवी वो पनघट की रानी।।

उर्दू साहित्य के प्रतिष्ठित कवि मोहसिन काकोरवी भी प्रभु श्री कृष्ण जी के प्रति निष्ठा, भक्ति एवम् श्रद्धा में डूबे हुए नज़र आते हैं। उन्होंने अपनी कविता में श्री कृष्ण जी की महिमा और भक्ति के गीत बड़ी निपुणता और सफलता के साथ गाये हैं। भगवान श्री कृष्ण जी की महिमा का बखान करते हुए मोहसिन काकोरवी ने लिखा हैरू

सिम्त काशी से चला जानिबे मथुरा बादल।
तैरता है कभी गंगा कभी जमुना जल।।
देखिये होगा श्री कृष्ण का क्यों कर दर्शन।
सीना ए तंग में दिल गोपियों का है व्याकुल।।
सिम्त काशी से गया जानिबे मथुरा बादल।
बृज में आज श्री कृष्ण है काला बादल।।
खूब छाया है सर ए गोकुल व मथुरा बादल।
रंग में आज कन्हैया के है डूबा बादल।।
राजा इंद्र है परी खान ए मय का पानी।
नग़म ए मय का सर ए किशन कन्हैया बादल।।

सुखदेव प्रसाद सिन्हा बिस्मिल इलाहाबादी ने लीलाधारी श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व का वर्णन अपनी कविता श्री कृष्णा में बड़ी कुशलता एवम् सफलता पूर्वक प्रस्तुत किया है।20 अगस्त 1947 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बिस्मिल इलाहाबादी ने इस कविता को इलाहाबाद के एक कार्यक्रम में पढ़ी थी। उस कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद के तत्कालीन कमिश्नर कुँअर महराज सिंह ने किया था। बिस्मिल इलाहाबादी ने अपनी कविता श्री कृष्णा में अपने सारगर्भित विचारों और हृदय के उदगार को बड़ी खूबसूरती के साथ व्यक्त किया है। बिस्मिल इलाहाबादी की कविता श्री कृष्णा की कुछ पंक्तियां उद्धृत हैंरू

यह वो शब है जो नसीहत है ज़माने के लिए।
यह वो शब है जो इबादत है ज़माने के लिए।।
आज की रात सिया बख्त हमारा चकमा।
आज की रात उम्मीदों का सितारा चमका।।
लिया मथुरा में जनम जा के रहा गोकुल में।
पाँव के रखते ही अमृत मिला जमुना जल में।।
वो कन्हैया वो मेरे दिल को लुभाने वाला।
वो ज़माने में नए रूप से आने वाला।।
वो भजन नग़म ए इल्हाम बताने वाला।
वो बड़े प्रेम से बंसी को बजाने वाला।।
ज्ञान की राह ज़माने को दिखाई तूने।
प्रेम क्या चीज़ है ये बात बताई तूने।।
अपनी कूवत को बड़े जोश में लाने वाला।
उंगलियों पर वो गोवर्धन को उठाने वाला।।
वो सुदामा की ग़रीबी को मिटाने वाला।
काम संकट में हर इक शख़्स के आने वाला।।
कौरवों का वो गुरूर और निशाँ तक न बचा।
रण में सब क़त्ल हुए एक जवाँ तक न बचा।।
ग़ौर से देखें ज़रा लोग तमाशा क्या है।
तूने गीता में बताया है कि दुनिया क्या है।।
न हुआ है न कोई होगा तिरा सानी भी।
ऐसा योगी भी कहीं ऐसा कहीं ज्ञानी भी।।
निदा फ़ाज़ली भी लीलाधारी प्रभु श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व से प्रभावित दिखाई देते हैं। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की महिमा का गुणगान अपनी ग़ज़लों में किया है। भगवान श्री कृष्ण जी की महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने लिखा है किरू

वृंदावन के कृष्ण कन्हैया अल्लाह हू।
बंसी राधा गीता ज्ञान अल्लाह हू।।

जाफ़र रज़ा का मानना है कि राम और रहीम के दरमियान फ़र्क़ करना उचित नहीं है क्योंकि दोनों वास्तविक रूप से एक हैं। इसी विचार को उन्होंने अपने एक दोहे में वर्णित किया है। सभी लोग जानते हैं कि इस्लाम धर्म के मानने वाले लोग जब लेखन का कार्य प्रारंभ करते हैं तो सबसे ध के स्थान पर 786 लिखते हैं क्योंकि बिस्मिल्ला उल रहमान उल रहीम के सभी वर्णों का योग 786 होता है। जाफ़र रज़ा ने यह बताने का प्रयास किया है कि हरे कृष्ण के वर्णो के योग की संख्या भी 786 होती है। इस संदर्भ में उनका यह दोहा उद्धृत हैरू

सात सौ छियासी में राम और रहीम मिल जाएं।
बिस्मिल्लाह के वही आदाद हरे कृष्णा में आयें।।

जाफ़र रज़ा ने एक पंक्ति लिखा कि अब दिल में बसा के रखिए एक साँवली मूरत को। साँवली मूरत भगवान श्री कृष्ण के मोहनी सूरत की याद दिलाता है।

भगवान श्री कृष्ण जाफ़र रज़ा को अतिप्रिय थे। उनकी श्री कृष्ण भक्ति में रचा हुआ यह दोहा प्रस्तुत हैरू

कृष्ण की बंसी में जादू है कोई राधा हो।
मौज रफ़्तार लचक जायेगी पायल ही नहीं।।

अनवर जलालपुरी द्वारा रचित उर्दू शाइरी में गीता एक महत्वपूर्ण कृति है जिसमें कवि ने श्रीमद् भगवत गीता के अठारह अध्याय के सात सौ श्लोक का पद्यानुवाद सात सौ अशआर में बड़ी कुशलता और सफलता पूर्वक किया है। श्रीमद् भगवत गीता के प्रथम अध्याय का अनुवाद करते हुए उन्होंने लिखा है किरू

कहानी तो संजय सुनाता रहा।
है मैदां क्या बताता रहा।।
वो मैदां जो था जंग ही के लिए।
वहीं से जले धरम के भी दिए।।
धृतराष्ट्र आँखों से महरूम थे।
मगर ये न समझो कि मासूम थे।।

श्रीमद् भगवत गीता के सात सौ श्लोक का उर्दू शाइरी में पद्यानुवाद करना एक मुश्किल कार्य है लेकिन अनवर जलालपुरी ने जिस खूबसूरत और उत्कृष्ट शैली में सफलता एवम् कुशलता पूर्वक अनुवाद छंदबद्ध किया है वह प्रशंसनीय है। कुरुक्षेत्र के मैदान में प्रभु श्री कृष्ण और अर्जुन के संवाद को अनवर जलालपुरी ने बड़ी निपुणता के साथ प्रस्तुत किया है। इस संदर्भ में कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैंः

ये सुन सुन कर अर्जुन भी बेचौन था।
सवाल उसने केशव से ही कर दिया।।
बताएं मुझे कौन है मुतमईन ।
मेरे वास्ते है समझना कठिन।।
किसे ज्ञान और ध्यान वाला कहूँ।
हक़ीक़त समझ कर मैं किसकी सुनूँ।।
मुकम्मल उन्हें देखा है मुझे।
वो क्या हैं उन्हें जानना है मुझे।।

इस प्रकार हम देखते हैं कि उर्दू साहित्य में बहुत बड़ी संख्या में उर्दू के कवियों ने लीलाधारी प्रभु श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व को अपनी कविताओं में बड़ी कुशलता और सफलता पूर्वक वर्धित किया है और उनकी महिमा एवम् भक्ति के गीतों का गुणगान किया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज इक्कीसवीं सदी की तीसरी दहाई में जब राजनीतिज्ञों ने भाषा एवम् धर्म का सहारा लेकर भारत की धार्मिक एवम् सांस्कृतिक संप्रभुता, अखंडता और आपसी सौहार्द्र का वातावरण को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं तो ऐसी परिस्थिति और वातावरण में मुस्लिम साहित्यकारों ने हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथों का जो अनुवाद उर्दू भाषा किया है उसकी अर्थवत्ता,मूल्यवत्ता, उपयोगिता और उपादेयता काफ़ी हद तक बढ़ जाती है। इस प्रकार अगर यह कहा जाए कि भारत की गंगा यमुना साझा संस्कृति को आगे बढ़ाने में इन साहित्यकारों एक अद्वितीय और महान कार्य किया है तो शायद ग़लत नहीं होगा।

1278/1 मालवीय नगर,
इलाहाबाद –211003
(M) 9451762890

लघुकथा

निंदा

"भाभी, बहुत देर से आप मोबाइल पर कुछ टाइप कर रही हैं और आपकी चाय ठंडी हो रही है। क्या हुआ? लग रहा है, आज फिर आपकी सखी-सहेली के ग्रुप में कोई बहस चल रही है।" चाय पीते हुए रीमा ने कहा।

"नहीं दीदी, इस समय तो हम सभी सहेलियाँ रोज किसी-न-किसी विषय पर चर्चा करती हैं—कभी रसोई, कभी रिश्ते, कभी पेंटिंग और कभी राजनीति। लेकिन इस समय वह जयपुर वाली कुसुम न, बेवजह मेरी निजी चैट में आकर रजनी की बुराई कर रही है। आज रजनी ने रसोई के अंतर्गत अपना बनाया हुआ एक पकवान शेयर किया था, जिसमें घी, तेल, मिर्च-मसाला कुछ भी नहीं था। सभी उसकी तारीफ कर रही थीं, इसलिए वह जल-भुन गई। कल उसकी जयपुरी साड़ी पर की गई पेंटिंग किसी को अच्छी नहीं लगी थी, तो हम क्या करें?" रेखा ने कहा।

"मुझे तो किसी की बुराई करना बहुत खराब लगता है। न मैं किसी की बुराई करती हूँ और न ही सुनती हूँ।" यह कहते हुए रेखा ने फोन मेज पर रख दिया और अपनी ननद से कुसुम की बुराई में जुट गई।

शायद उसे मालूम ही नहीं था कि वह स्वयं वही कर रही थी, जिसकी वह अभी-अभी निंदा कर रही थी।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

कब रिलीज होगी तापसी पन्नू की फिल्म गांधारी ? दिखेगी मुश्किलों से लड़ती एक मां की कहानी

> लेखिका और प्रोडयूसर कनिका ढिल्लों ने कहा, गांधारी के जरिए हम एक ऐसी महिला की कहानी बताना चाहते थे, जो अपनी परिस्थितियों से अपनी पहचान तय नहीं होने देती। बानी का सफर बहुत ही सच्चा, कभी न रुकने वाला और बेहद निजी है।

तापसी पन्नू की अदाकारी वाली फिल्म गांधारी की रिलीज डेट सामने आ गई है। इश्वक सिंह, छाया कदम, स्वस्तिका मुखर्जी, मीता वशिष्ठ और जतिन सरना मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। जबकि इसकी लेखिका और निर्माता कनिका ढिल्लों हैं। अपकमिंग फिल्म गांधारी 3 सितंबर, 2026 को नेटफिलक्स पर रिलीज होगी। एक्शन–थ्रिलर फिल्म दिखाती है कि जब किसी महिला की प्यारी चीजें खतरे में हों, तो वह किस हद तक जा सकती है। इसमें यह भी दिखाया गया है कि मां के प्यार से ज्यादा ताकतवर कोई चीज नहीं होती। वह अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए जो सफर तय करती है, उससे ज्यादा मुश्किल कोई सफर नहीं होता। एक काल्पनिक शहर श्जॉयपुराश की पृष्ठभूमि पर आधारित, गांधारी अटूट विश्वास, शांत सहनशक्ति और अदम्य साहस की कहानी है। कहानी के केंद्र में बानी (तापसी पन्नू) है, एक ऐसी मां जिसकी ममता की परीक्षा हर मोड़ पर होती है। उसे पूरे यकीन और त्याग के साथ अकल्पनीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। तापसी पन्नू के अब तक के सबसे मुश्किल फिजिकल रोल्स में से एक मानी जाने वाली इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन के साथ–साथ मानवीय संवेदनाओं का भी गहरा मेल है। फिर आई हसीन दिलरुबाश की सफलता के बाद, यह फिल्म नेटफ्लिक्स को कनिका ढिल्लों और तापसी पन्नू के साथ फिर से एक साथ लाती है। लेखिका और प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों ने कहा, गांधारी के जरिए हम एक ऐसी महिला की कहानी बताना चाहते थे, जो अपनी परिस्थितियों से अपनी पहचान तय नहीं होने देती। बानी का सफर बहुत ही सच्चा, कभी न रुकने वाला और बेहद निजी है। इसी बात ने मुझे शुरू से ही उसकी ओर खींचा। तापसी के साथ फिर से काम करना बहुत खास रहा है। तापसी पन्नू को आखिरी बार फिल्म अस्सी में देखा गया था। इस फिल्म के निर्देशक अनुभव सिन्हा हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी। 30 करोड़ की लागत में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 13.43 करोड़ रुपये ही कमा सकी थी। आलोचकों से इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

फिल्म 'वाइब' का टीजर रिलीज, स्पाई वर्ल्ड में होगी कॉमेडी की एंट्री

कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' का टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें एक्शन को कॉमेडी के साथ मिलाकर दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। फिल्म 'वाइब' एक स्पाई कॉमेडी फिल्म जैसी दिखाई दे रही है। इस फिल्म में प्रीति जिंटा, कुणाल खेमू, स्पर्श श्रीवास्तव, वंशिका धीर अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का टीजर के अनुसार यह फिल्म कॉमेडी, एक्शन से भरी हुई है। टीजर में प्रीति जिंटा किसी खुफिया एजेंसी की अफसर नजर आ रही हैं। खुफिया एजेंसी को देश में होने वाले एक आतंकी हमले की जानकारी मिलती है। इसके बाद दो लड़के हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) को एजेंट बनाने की ट्रेनिंग दी जाती है। मगर जहां स्पर्श एक गंभीर लड़के की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं कुणाल एक लापरवाह रोल में नजर आ रहे। फिल्म 'वाइब' के टीजर में बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्में पठान और टाइगर पर भी कॉमेडी की। टीजर में साफ तौर पर एक पूरी तरह आम बैचलर जिंदगी वाले लड़कों को एक सीरियस मिशन में भेजा जा रहा है। हालांकि टीजर में अभी सिर्फ कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव ही नजर आए हैं। बाकि की कास्ट के बारे में टीजर में कोई जानकारी नहीं दी गई है। फिल्म 'वाइब' का लेखन और निर्देशन दोनों कुणाल खेमू ने किया है। फिल्म में कुणाल के अलावा प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर मुख्य किरदारों में है। 'वाइब' का निर्माण कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यश की टॉक्सिक को लेकर क्यों हैरान हुए यूजर्स ? सीबीएफ पर ली चुटकी

यश की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से बिना किसी कट और दो छोटे बदलावों के साथ पास हो चुकी है। बदले की भावना और हिंसा पर आधारित यह फिल्म अब तक की सबसे बोल्ड और हिंसक भारतीय फिल्मों में से एक मानी जा रही है। जब सोशल मीडिया पर टॉक्सिक को बिना कट मंजूरी मिलने की बात सामने आई, तो इंटरनेट पर लोग हैरान और खुश हुए। भारत में टॉक्सिक में कोई कट न होने से इंटरनेट हैरान है, क्योंकि इसी तरह की हिंसा वाली फिल्म धुरंधर में कई कट लगाए गए थे। असल में, यूके सेंसर बोर्ड ने टॉक्सिक की रिलीज के लिए कई कट मांगे हैं, जो धुरंधर से भी ज्यादा हैं। रेडिट पर एक सोशल मीडिया यूजर ने सवाल किया, क्या इस फिल्म को धुरंधर से ज्यादा हिंसक नहीं माना जा रहा है? फिर धुरंधर में इससे ज्यादा कट क्यों लगाए गए?

टॉक्सिक अपने हॉट और इंटीमेट सीन की वजह से चर्चा में रही है। इल्जाम है कि इसमें महिलाओं और डायलॉग को अच्छी तरह से पेश नहीं किया गया। सेंसर बोर्ड पर तंज कसते हुए एक रेडिट कमेंट में लिखा जब महिलाओं को वस्तु की तरह पेश करने की बात आती है, तो सीबीएफसी आंखें मूंद लेता है। एक और यूजर ने मजाक में कहा कि उसी बोर्ड ने स्पाइडर–मैन ब्रांड न्यू डे से आपसी सहमति वाला किसिंग सीन कटवा दिया था, लेकिन टॉक्सिक में उन्हें काटने के लिए कुछ नहीं मिला। एक और ने कहा, इसमें कोई किसिंग सीन नहीं था, इसलिए किसी कट की जरूरत नहीं पड़ी। सीबीएफसी की प्राथमिकताएं साफ हैं। गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की गई फिल्म टॉक्सिक में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट के मुनाफे में मांगा था हिस्सा? संदीप रेड्डी वांगा के भाई ने लगाए ऐसे आरोप

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही फिल्म स्पिरिट से दीपिका पादुकोण के बाहर होने पर काफी विवाद हुआ। उस समय ऐसी खबरें आई कि फीस और काम के घंटों को लेकर हुए मतभेदों की वजह से दीपिका प्रोजेक्ट से हट गईं। इस विवाद को संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने फिर से हवा दी है। वह इस प्रोजेक्ट के निर्माता भी हैं। उन्होंने दीपिका के बाहर होने के कारणों के बारे में नए दावे किए हैं। जब प्रणय रेड्डी वांगा से पूछा गया कि फिल्ममेकर ने दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी को लेने का फैसला क्यों किया, तो प्रणय ने आरोप लगाया कि फीस, शेड्यूलिंग और प्रोजेक्ट के दूसरे पहलुओं को लेकर असहमति थी। उन्होंने कहा, कारण वही है जो पहले बताया गया था। एक तो फीस थी, दूसरा टाइमिंग। इसके अलावा कुछ और कारण भी थे। मुझे अभी ठीक से याद नहीं आ रहा है, लेकिन कई बातें थीं। यह संदीप का फैसला था।

प्रणय के अनुसार, संदीप लगभग डेढ़ साल से दीपिका पादुकोण के संपर्क में थे और उन्हें कास्ट करना चाहते थे। बॉक्स ऑफिस पर एक्ट्रेस की सफलता ने उन्हें कई शर्तों पर बातचीत करने की स्थिति में ला दिया था। उन्होंने फिल्म के मुनाफे का 10 प्रतिशत हिस्सा मांगा। इसके तुरंत बाद, बात हद से आगे बढ़ गई। वह कुछ भी मांग सकती हैं। अगर हम देने को तैयार हों, तो दे सकते हैं। मगर हमारे लिए बजट का हिसाब–किताब भी सही बैठना चाहिए। प्रणय रेड्डी वांगा ने आरोप लगाया, जैसे ही हमने दूसरे विकल्पों पर विचार करना शुरू किया, उन्होंने सब कुछ लीक करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, श्हमने उनके साथ कहानी और किरदार पर चर्चा की थी। अंदरूनी चर्चाओं की बातें बाहर नहीं आनी चाहिए, लेकिन उन्होंने वे सभी बातें लीक कर दीं। इसीलिए हम परेशान हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेकर्स को पादुकोण को अतिरिक्त 5–6 करोड़ रुपये देने में कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रोजेक्ट का कुल बजट और शर्तें ही इस बात के बिगड़ने की वजह बनीं। फिल्म से दीपिका के हटने पर ऑनलाइन काफी विवाद हुआ था, क्योंकि एक्ट्रेस ने आठ घंटे के काम के शेड्यूल की मांग की थी। एक्ट्रेस ने पिछले साल इस मुद्दे पर बात करते हुए सवाल उठाया था कि जब पुरुष सुपरस्टार उतने ही घंटे काम कर सकते हैं और अपने शेड्यूल को सिर्फ कामकाजी दिनों (वीकडेज) तक सीमित रख सकते हैं, तो महिला कलाकार ऐसी मांगें क्यों नहीं कर सकतीं। स्पिरिट मार्च 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

घर में आसानी से बनाएं रेस्टोरेंट जैसे खिले-खिले चावल, मिनटों में बनकर हो जाएंगे तैयार

खिले-खिले चावल खाना किसे पसंद नहीं होता है। अक्सर हम सभी सिर्फ रेस्तरां और होटल जैसा चावल बनाना चाहते हैं। चावल को बनाना भी काफी आसान है। लेकिन चावल को बनाने की सही विधि जानना बेहद जरूरी है। कुछ लोग चावल में ज्यादा पानी डालते हैं, तो कुछ लोग चावल में कम पानी डालते हैं। इसके अलावा यह भी मायने रखता है कि आप चावल कैसे बना रहे हैं। अगर आप प्रेशर कुकर के बिना भी चावल बनाते हैं तो इन टिप्स को जरूर फॉलो करें। हम इस आर्टिकल के जरिए आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो हर बार आपके काम आएंगे।

सही चावल का चुनाव

सबसे पहला और अहम नियम, जो आपको याद रखना चाहिए। वह यह है कि आपको सही चावल का चुनाव करना बेहद जरूरी है। ध्यान रखें कि अगर चावल छोटा है, तो यह चिपचिपा बनकर तैयार होता है। छोटे चावल के दाने हमेशा आपस में चिपके हैं। वहीं लंबा चावल कम चिपचिपा होता है। साथ ही बासमती व जैस्मीन का चावल चिपचिपा नहीं होता है। क्योंकि सफेद या छोटे दाने वाले चावल में स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। जबकि बासमती चावल में स्टार्ट की मात्रा काफी कम होती है।

खिले चावल के लिए पानी की मात्रा

चावल में कितना पानी डाला जाए, सबसे बड़ी दुविधा यह होती है। हम सभी का पानी मापने का तरीका अलग-अलग होता है। कुछ लोग इसे उंगलियों से नापते हैं, तो कुछ लोग चम्मच डालकर इसका पानी नापते हैं। लेकिन बता दें कि 1 कप चावल के लिए 1.5 कप पानी काफी होता है। यदि आप ओवन या माइक्रोवेव में चावल बना रही हैं, तो पानी की मात्रा 2 कप हो जाएगा। साथ ही यह भी देखा जाता है कि आप चावल को कितनी देर के लिए भिगोकर रखा है। चावल को पहले से भिगोकर रखने से इसे पकने में काफी कम समय लगता है। अगर आप भी चावल भिगोकर इसे पकाने के लिए रखती हैं, तो उसमें पानी की मात्रा को आधा कप कम कर देना चाहिए।

ऐसे बनाएं खिले चावल

अगर आप पतीले में चावल बना रही हैं। तो 1 कप चावल में 2 कप पानी डालकर एक उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद फिर धीमी आंच पर इसे 2-3 मिनट के लिए रखें। जब चावल 90: पककर तैयार हो जाए, तो फिर गैस बंद कर चावल को ढककर 2 मिनट के रख दें। वहीं पानी को स्ट्रेन करने के लिए उसी पतीले में चावल को ढककर रखा रहने दें। इससे चावल अच्छे से पकने के साथ ही खिला-खिला भी रहेगा।

रिफाइंड तेल और नींबू का इस्तेमाल

खिले चावल बनाने के लिए आप यह हैक भी अपना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक पतीले में पानी डालकर गर्म कर लें। फिर जब पानी में उबाल आने लगे तो पतीले में चावल डाल दें। फिर 2-3 मिनट बाद चावल में 1 चम्मच नींबू का रस और 1 चम्मच रिफाइंड तेल डालकर अच्छे से मिक्स कर दें। अब पतीले को ढककर इसे 3-4 मिनट के लिए पकाएं। इसके बाद हाथ से चावल दबाकर देख लें। अगर चावल आसानी से दब जाता है, तो समझ जाएं कि यह पक गया है। अब स्ट्रेन निकालकर इसे सर्व कर सकती हैं।

कुकर में बनाएं खिले-खिले चावल

यदि आप प्रेशर कुकर में चावल पकाती हैं, तो सबसे पहले कुकर को घी से ग्रीस कर लें। इसके बाद चावल में पानी डालकर 3 सीटी लगा दें। ऐसा करने के बाद आपको चावल में ऊपर से कुछ भी डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही चावल भी खिला-खिला बनेगा।

ग्लोइंग और हाइड्रेट स्किन पाने के लिए घर पर बनाएं टोनर, चेहरे पर आएगा निखार

जिस तरह से हम सभी अपने बालों का ध्यान रखते हैं। ठीक वैसे ही जरूरी होता है कि हम अपनी स्किन का भी ध्यान रखें। क्योंकि जब आपकी स्किन सही रहेगी। तभी आप खूबसूरत और जवां लगेंगी। कई लड़कियां स्किन केयर को अपनी डेली रूटीन में जरूर शामिल करती हैं। वह समय-समय पर पार्लर जाती हैं और ट्रीटमेंट लेती हैं। इसके अलावा कई अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल भी करती हैं। लेकिन कई बार कुछ इंग्रीडिएंट हमारी त्वचा को सूट नहीं करते हैं। ऐसा इसलिए भी हो सकता है, क्योंकि मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट में केमिकल की मात्रा ज्यादा होता है। इसके अलावा मार्केट में मिलने वाले टोनर में भी कई ऐसी चीजें मिलाई जाती हैं, जो हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाने का काम करती हैं। लेकिन अब आपको टोनर मार्केट से खरीदने की जरूरत नहीं है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप घर पर ही आसानी से टोनर बनाकर तैयार कर सकती हैं। बता दें कि एलोवेरा बालों के साथ ही त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। एलोवेरा में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं। जो त्वचा में मौजूद गंदगी को साफ करने का काम करता है। इसका टोनर बनाकर आप अपनी स्किन पर अप्लाई कर सकती हैं।

टोनर बनाने की सामग्री

एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

गुलाब जल- आधा कप

टोनर बनाने का तरीका

एक कटोरी में आधा कप गुलाब जल ले लें।

फिर उसमें एलोवेरा जेल डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद इसमें थोड़ा सा पानी डालकर छलनी की मदद से छान लें।

अब इस पानी को एक स्प्रे बोतल में भर कर रख लें।

सुबह ऑफिस आदि जाने के लिए जब तैयार को तब इसका उपयोग करें। या फिर आप चाहें तो रात में भी इसे अप्लाई कर सकती हैं।

कोकोनट वाटर और मिल्क टोनर

कोकोनट वाटर त्वचा के लिए काफी अच्छा होता है। इसके चेहरे पर अप्लाई करने से आपकी स्किन हाइड्रेट रहती है वहीं मिल्क त्वचा को सॉफ्ट बनाने का काम करता है।

कोकोनट वाटर और मिल्क टोनर सामग्री

कोकोनट वाटर- 1 कप

मिल्क- 1 कप

टोनर बनाने का तरीका

एक बाउल में नारियल पानी और दूध लें।

इन दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर इसे फ्रिज में स्टोर करने के लिए रख दें।

आप चाहें तो इसे स्प्रे बोतल में भी रख सकती हैं।

अब इस टोनर को कॉटन की मदद से अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं।

इससे आपकी त्वचा ग्लोइंग और हाइड्रेट रहेगी।

आपके नाखून का भी रंग हो गया है ऐसा तो हो जाएं सावधान

नाखून शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाते हैं। कहा जाता है कि अगर ये स्वस्थ हैं तो आप भी एकदम स्वस्थ हैं। जिस तरह से शरीर को पोषक तत्वों की जरुरत होती है उसी तरह नाखूनों को भी पर्याप्त पोषण की जरुरत पड़ती है। नाखूनों का रंग देखकर लिवर, हॉर्ट और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों का भी पता लगाया जा सकता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि किस तरह के नाखून किस बीमारी का संकेत देते हैं...

असामान्य रुप से नाखूनों का बढ़ना

यदि आपके नाखून ऊपर की ओर से उल्टी दिशा में कर्व हो रहे हैं तो इसका अर्थ है कि आपके शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। इसके अलावा यदि नाखून टिप से अंदर की ओर ज्यादा कर्व हो रहे हैं तो यह फेफड़ों या फिर दिल से जुड़ी बीमारियों का संकेत देते हैं। इसके अलावा स्कवायर और वाइड शेप्ड नाखून हार्मोनल डिसऑर्डर व फ्लैट और पतले नाखून विटामिन-बी12 की कमी का संकेत देते हैं। ऐसे में आप डाइट में विटामिन-बी12 युक्त पदार्थ शामिल करें। डेयरी, मीट, एग को आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसके अलावा आयरन भरपूर फूड्स जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, नट्स को डाइट का हिस्सा जरुर बनाएं। इसके अलावा विटामिन-सी जैसे खट्टे फल, नींबू, का सेवन करें। इससे शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ने लगेगी।

पीले नाखून

यदि आफके नाखून पीले हो रहे हैं तो इसका अर्थ है कि आपको आंतरिक समस्याएं हो रही हैं। यह डायबिटीज, फेफड़ों और लिवर से जुड़ी समस्याओं का संकेत देते हैं। इसके अलावा नाखूनों पर दिखने वाले पीले धब्बे फंग्स इंफेक्शन या फिर सोराइसिस का संकेत भी देते हैं। ऐसे में तुरंत डॉक्टर को संपर्क करें।

नाखूनों पर व्हाइट स्पॉट्स पड़ना

अगर आपके नाखूनों पर व्हाइट स्पॉट्स दिखते हैं तो इसका अर्थ है कि आपको किडनी डिसऑर्डर, लिवर, हार्ट डिजीज है। इसके अलावा यह आयरन और जिंक की कमी का लक्षण भी हो सकता है। इसके अलावा यह एक्जिमा, सोराइसिस की समस्या का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में आप डाइट में दही, काबुली चना, ड्राइड बीन्स, किश्मिश, डेयरी प्रोडक्ट्स, बादाम, दूध, चिकन, किडनी बीन्स और ओटमील को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं।

ब्रिटलनेस

नाखूनों में ब्रिटलनेस की समस्या ज्यादातर महिलाओं में होती है। इसके चलते उनके नाखूनों में मॉइश्चर की कमी हो जाती है और यह ड्राई होने लगते हैं जिससे नाखूनों में क्रैक भी आ जाता है। अंडर एक्टिव थायराइड, कैल्शियम प्रोटीन की कमी के कारण यह समस्या हो सकती है। ऐसे में आयरन युक्त पदार्थ जैसे मेथी, मछली, हरी पत्तेदार सब्जियां, डाइट में शामिल करें। इसके अलावा बायोटिन सप्लीमेंट्स जैसे अंडे का सेवन करने से भी आपके नाखून मजबूत बनेंगे। हरी पत्तेदार सब्जियां, तिल और डेयरी प्रोडक्ट्स शरीर में कैल्शियम की मात्रा बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

रंग बदलना

नाखूनों के यदि रंगत में बदलाव हो रहा है तो यह फंगल और बैक्टीरियर इंफेक्शन का कारण हो सकते हैं। इसके अलावा यदि ब्लड सर्कुलेशन सही न हो तो भी यह समस्या हो सकती है। फॉलिक एसिड, विटामिन-सी, प्रोटीन की कमी के कारण भी नाखूनों का रंग हल्का भूरा होने लगता है। ऐसे में ब्रोकली, मछली, खीरा, प्याज, सेब, अंगूर, लहसुन को डाइट में शामिल करके आप ब्लड सर्कुलेशन और नाखूनों को हेल्दी बनाए रख सकते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने से लेकर वजन कम करेगी अमरुद की पत्तियां, जानिए अचूक फायदे

अमरुद स्वास्थ्य के लिए कितना फायदेमंद होता है यह तो आप जानते होंगे लेकिन सिर्फ यही नहीं इसके पत्तों में भी कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन पत्तों में विटामिन-सी, विटामिन-बी, कैल्शियम, आयरन, मैग्निशियम, फॉस्फोरस, पौटेशियम, प्रोटीन जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसके अलावा भी इनमें कई सारे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो कई तरह के रोगों से लड़ने में मदद करते हैं।

तो चलिए आज आपको बताते हैं इन पत्तों के अनगिनत स्वास्थ्य लाभ...

डायबिटीज में फायदेमंद

शोध की मानें तो अमरुद के पत्तों से बनी चाय पीने से अल्फा ग्लूकोसिडेज नाम के एंजाइम की गतिविधि कम होती है जिससे खून में ग्लूकोज का सही ढंग से कार्य करता है। इसके अलावा यह शरीर में सुक्रोज और माल्टोज को बढ़ने से भी रोकता है जिससे ब्लड शुगर कम होती है। नियमित रुप से अमरुद के पत्तों से तैयार चाय पीने से शरीर में इंसुलिन बनने की प्रक्रिया में सुधारती है जिससे आपकी डायबिटीज का स्तर नियंत्रित रहता है।

हृदय संबंधी समस्याओं से बचाव

यह पत्ते दिल के लिए भी बेहद लाभकारी माने जाते हैं। लगातार इन पत्तों से बनी चाय पीने से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम करने में मदद मिलती है।

वजन कम करने में मिलेगी मदद

यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो अमरुद के पत्तों का सेवन करें। इसमें पाए जाने वाले अलग-अलग बायोएक्टिव कंपाउंड शरीर में कार्बोहाइड्रेट बढ़ने से रोकते हैं। इसके अलावा यह शुगर और कैलोरी की मात्रा भी कम करते हैं जिससे आपका बढ़ता हुआ वजन कम होता है।

डायरिया की समस्या होगी दूर

अमरुद के पत्तों का सेवन करके आप डायरिया से भी छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए अमरुद के पत्तों से निकले रस को एक कप गर्म पानी में मिलाएं। इस पानी का सेवन करें इससे आपके पेट की आंतों को आराम मिलेगा। एक अध्ययन में यह बात साबित भी हो चुकी है कि अमरुद के पत्तों का सेवन करने से दस्त की समस्या से काफी आराम मिलता है।

कोलंबो के इंडिया हाउस में हुआ खिलाड़ियों का स्वागत, श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त ने की मेजबानी

कोलंबो,एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ चल रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच से पहले कोलंबो स्थित इंडिया हाउस में श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की मेजबानी की। भारतीय उच्चायुक्त ने इस मैच से पहले श्रीलंकाई टीम की भी मेजबानी की। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से शुरू हो रहा है। भारत सीरीज में 1–0 से आगे है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की मेजबानी की और इसे एक यादगार शाम बताया। बीसीसीआई ने एक्स पोस्ट में कहा, कोलंबो में एक यादगार शाम! श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले इंडिया हाउस में भारतीय टीम की मेजबानी की। उच्चायुक्त संतोष झा ने भी एक्स पर कहा कि वह भारतीय और श्रीलंकाई क्रिकेट टीमों की मेजबानी करके बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के प्रति जुनून दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को कैसे मजबूत करता है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा, टीम इंडिया के लिए चीयर कर रहे हैं। श्रीलंका में चल रही टेस्ट सीरीज के दौरान भारत और श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीमों की मेजबानी करके खुशी हुई। क्रिकेट भारत और श्रीलंका के बीच स्थायी संबंधों को मजबूत रखता है। भारतीय

टीम श्रीलंका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच 1–0 की बढ़त के साथ उतरेगी और जीत के साथ सीरीज को 2–0 से अपने नाम करना चाहेगी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने गॉल में हुए शुरुआती टेस्ट में शानदार जीत दर्ज की थी। पहले टेस्ट की बात करें तो भारत ने श्रीलंका को 165 रनों से हरा दिया। इस जीत में मानव सुथार के करियर के पहले 10 विकेट और पहली पारी में देवदत्त पडिक्कल के 167 रनों ने अहम भूमिका निभाई थी। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर जैकब मार्टिन को अदालत से मिली बड़ी राहत, 22 साल पुराने मामले में हुए बरी

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर जैकब मार्टिन को पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 साल पुराने एक आपराधिक मामले

में सभी आरोपों से बरी कर दिया है। यह मामला 2004 की एक एफआईआर से जुड़ा था, जिसमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 420, 468, 471 और 120बी के साथ–साथ पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 के तहत आरोप लगाए गए थे। मालूम हो कि दाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब मार्टिन ने भारत के लिए 10 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 22.57 की औसत से 158 रन बनाए हैं। जैकब पर जाली यूके आव्रजन (इमिग्रेशन) स्टाम्प, यात्रा व्यवस्था और वित्तीय लेनदेन से जुड़े आरोप थे, जिन्हें साबित नहीं किया जा सका। अदालत ने पाया कि वित्तीय लेनदेन या अजवा स्पोर्ट्स क्लब पर उनके स्वामित्व या नियंत्रण को लेकर कोई भी विश्वसनीय सबूत नहीं था। इसके अलावा, कई गवाह भी इन आरोपों को साबित करने में विफल रहे। मीडिया से बात करते हुए मार्टिन ने बताया कि यह मामला 2004 में उनकी टीम के एक सदस्य द्वारा ब्रिटेन का वीजा समाप्त होने के बाद वहां रुकने और फर्जी आव्रजन स्टाम्प लगवाकर भारत लौटने के बाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि मूल एफआईआर में उनका नाम नहीं था, लेकिन बाद में जांच के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के नाते उनकी प्रोफाइल की वजह से उनका नाम जोड़ दिया गया। मार्टिन ने साझा किया कि इस 22 साल पुराने मामले के कारण उन्हें भारी मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा और उनकी रेलवे की नौकरी भी चली गई। उन्होंने कहा कि इस मामले से बरी होना उनके जीवन में एक बहुत बड़ा मोड़ और राहत की बात है। घटना के बारे में बताते हुए मार्टिन ने कहा, 2004 में टीम इंग्लैंड खेलने गई थी। जो टीम 2004 में इंग्लैंड खेलने गई थी, उसमें से एक लड़के को छोड़कर बाकी सब वापस आ गए जो ब्रिटेन में ही रुक गया। चूंकि वीजा की वैधता छह महीने की थी, वह छह महीने तक रह सकता था, लेकिन वह इससे अधिक समय तक रुका रहा। इसलिए उसने किसी के जरिए वहां फर्जी स्टैंपिंग करवा ली। फर्जी स्टैंपिंग कराने के बाद जब वह भारत वापस आया, तो उसे ब्रिटेन से डिपोर्ट कर दिया गया था। इसलिए उसे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया और फिर उससे पूछताछ की गई। उन्होंने आगे कहा, मेरा नाम एफआईआर में भी नहीं था, लेकिन जब जांच हुई, तो मुझे इस मामले में घसीटा गया क्योंकि नाम बड़ा था और मैं एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर था। इन 22 वर्षों के दौरान, मुझे बीसीसीआई से भी कोई जवाब नहीं मिल रहा था। मैंने रेलवे में अपनी नौकरी खो दी। इसलिए इसकी वजह से मुझे बहुत तनाव था, लेकिन अब जो यह फैसला आया है मुझे क्लीन चिट मिल गई है। यह मेरे जीवन के लिए एक बहुत बड़ा समाधान होगा और यह मेरे जीवन के लिए एक बहुत बड़ा यू–टर्न है।

संक्षिप्त

अगस्त में सुस्त पड़े विनिर्माण क्षेत्र को मिला सेवा क्षेत्र का सहारा, जानें क्या रिकवर कर रहा निजी क्षेत्र

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था के निजी क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अगस्त का महीना एक मिली–जुली राहत लेकर आया है। जुलाई में चार साल के सबसे निचले स्तर पर गिरने के बाद, अगस्त में भारत की निजी क्षेत्र की गतिविधियों में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। इस रिकवरी की सबसे बड़ी वजह सेवा क्षेत्र (सर्विसेज सेक्टर) में आई तेजी है, जिसने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आई मंदी के असर को संभाल लिया है। एचएसबीसी के ताजा फ्लैश परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में कंपोजिट पीएमआई मामूली रूप से बढ़कर 54.6 पर पहुंच गया है, जो जुलाई में 54.3 था। यह आंकड़ा देश के आर्थिक मोर्चे पर चल रही हलचल और आगामी दिशा को समझने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। अगस्त महीने के लिए जारी एचएसबीसी फ्लैश कंपोजिट पीएमआई इंडेक्स लगातार 61वें महीने 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है, जो भारतीय प्राइवेट सेक्टर में निरंतर हो रहे विस्तार को दर्शाता है (क्योंकि पीएमआई में 50 से ऊपर का अंक विस्तार और इससे नीचे का अंक संकुचन का प्रतीक माना जाता है)। हालांकि, जुलाई के 54.3 के स्तर के मुकाबले मामूली सुधार होने के बावजूद अगस्त का 54.6 का यह आंकड़ा मार्च 2022 के बाद से अब तक का दूसरा सबसे कमजोर प्रदर्शन भी है। यह दिखाता है कि यद्यपि सुधार की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन घरेलू व्यापारिक गतिविधियों की रफ्तार अभी भी ऐतिहासिक औसत के मुकाबले सुस्त बनी हुई है। सेवा क्षेत्र में शानदार रिकवरीरू फ्लैश इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अगस्त में सुधरकर 54.5 पर पहुंच गया, जो जुलाई में 53.3 था। जुलाई में इस क्षेत्र में पिछले 53 महीनों की सबसे सुस्त वृद्धि देखी गई थी, लेकिन अगस्त में इसमें सराहनीय सुधार देखने को मिला है।

व्यावसायिक गतिविधियों में आई इस मिली–जुली तेजी का सीधा प्रभाव नौकरियों और लागत पर पड़ा है। अगस्त में कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नई भर्तियां की हैं, जिससे कुल रोजगार सृजन में सुधार हुआ है, लेकिन यह तेजी पूरी तरह से सेवा क्षेत्र तक ही सीमित रही। इसके विपरीत, विनिर्माण क्षेत्र में पिछले ढाई वर्षों में पहली बार कर्मियों की संख्या (स्टाफिंग लेवल्स) में गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी तरफ, कंपनियों के लिए राहत की बात यह है कि इनपुट लागत (कच्चे माल की कीमत) की वृद्धि दर पिछले सात महीनों में सबसे धीमी दर्ज की गई है, जिससे लागत का दबाव थोड़ा कम हुआ है। एचएसबीसी की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने इन आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करते हुए कहा, मजबूत सेवा गतिविधियों की मदद से कुल मिलाकर देश के प्राइवेट सेक्टर का उत्पादन काफी हद तक स्थिर बना हुआ है। हालांकि, उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र की सुस्ती पर चिंता जताते हुए कहा कि मैन्युफैक्चरिंग की रफ्तार अगस्त में पांच वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने आगे जोड़ा, यद्यपि कंपनियों पर लागत का दबाव कम हुआ है, लेकिन उन्होंने अपने ग्राहकों के लिए अंतिम सेलिंग प्राइसेज को अधिक तेजी से बढ़ाया है, जो यह दर्शाता है कि कंपनियां अपनी बढ़ी हुई लागत का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर डालने (पास–थ्रू) में मजबूत स्थिति में हैं। अगस्त के ये फ्लैश पीएमआई आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय प्राइवेट सेक्टर मंदी की गहरी आशंकाओं को पीछे छोड़ते हुए धीरे–धीरे रिकवरी की राह पर बढ़ रहा है। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आई सुस्ती और विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियों में आई गिरावट नीति निर्माताओं के लिए एक चेतावनी की तरह है। अब आगामी त्योहारी सीजन पर सबकी नजरें टिकी होंगी, क्योंकि फेस्टिव डिमांड ही तय करेगी कि क्या सर्विसेज सेक्टर की यह तेजी बनी रहेगी और क्या सुस्त पड़ा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर भी अपनी पुरानी रफ्तार को दोबारा हासिल कर पाएगा।

जो रूट ने अब किस मामले में की सचिन तेंदुलकर की बराबरी? पाकिस्तान के खिलाफ खेली दमदार पारी

लीड्स,एजेंसी। इंग्लैंड के नवनियुक्त टेस्ट कप्तान जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी की। रूट ने लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपने टेस्ट करियर का 68वां अर्धशतक लगाया। रूट ने इसके साथ ही टेस्ट में सर्वाधिक बार अर्धशतक लगाने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। रूट 112 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 66 रन बनाकर आउट हुए। रूट अब सचिन के साथ टेस्ट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। सचिन ने भी अपने करियर में 68 टेस्ट अर्धशतक लगाए थे। यानी रूट अगर एक भी अर्धशतक और लगा देते हैं तो वह इस मामले में सचिन का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल 66 अर्धशतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर और पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने टेस्ट में 63 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा बार 50 से ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में भी रूट ऊपर चढ़े हैं। रूट कप्तान के तौर पर 42 बार टेस्ट में 50 स्कोर बना चुके हैं र एलीट सूची में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ 61 50 स्कोर के साथ इस लिस्ट में सबसे आगे हैं। उनके बाद रिकी पोंटिंग (54), बॉर्डर (51) और पाकिस्तान के मिस्बाह–उल–हक (43) का नंबर आता है। रूट की यह नई उपलब्धि उनके शानदार टेस्ट करियर में एक और अहम पड़ाव है। इससे इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में उनकी स्थिति और मजबूत हुई है।

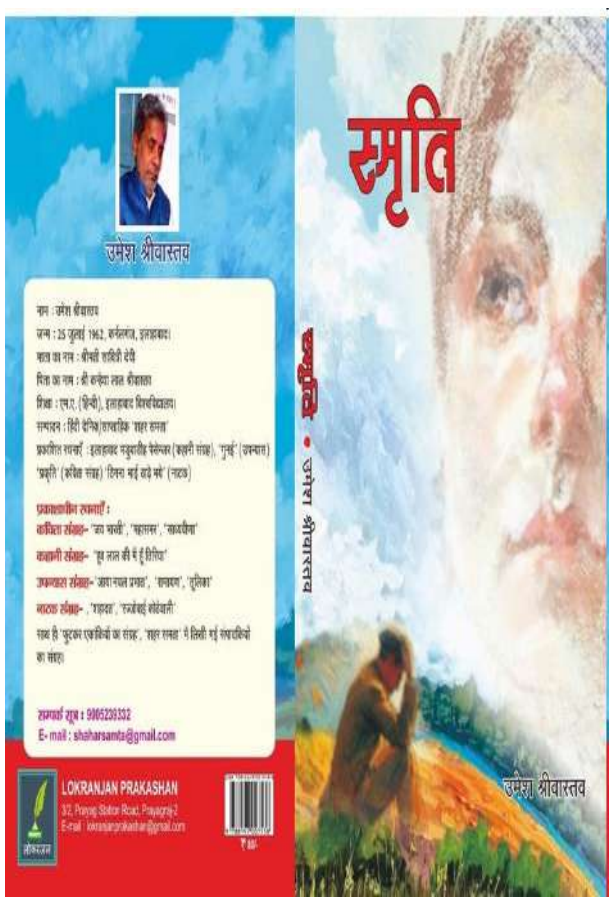

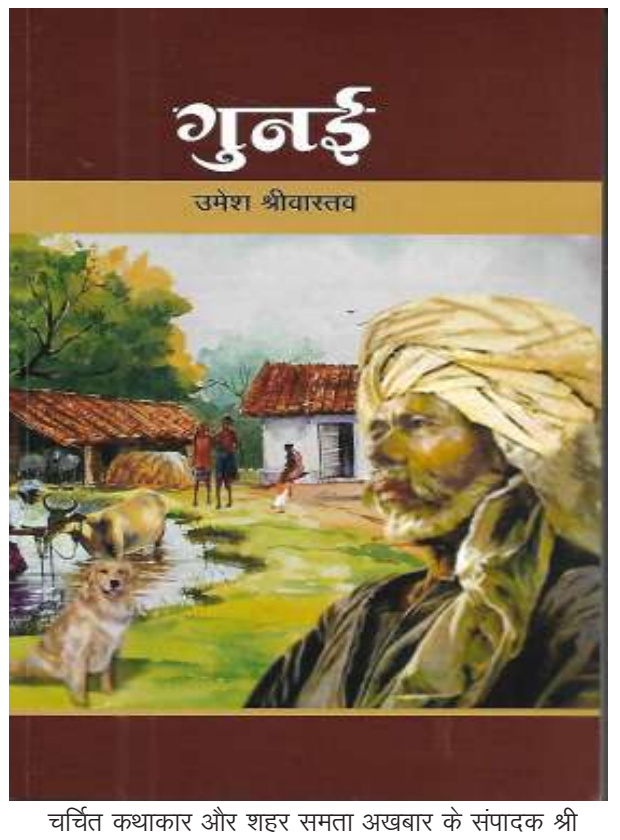

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

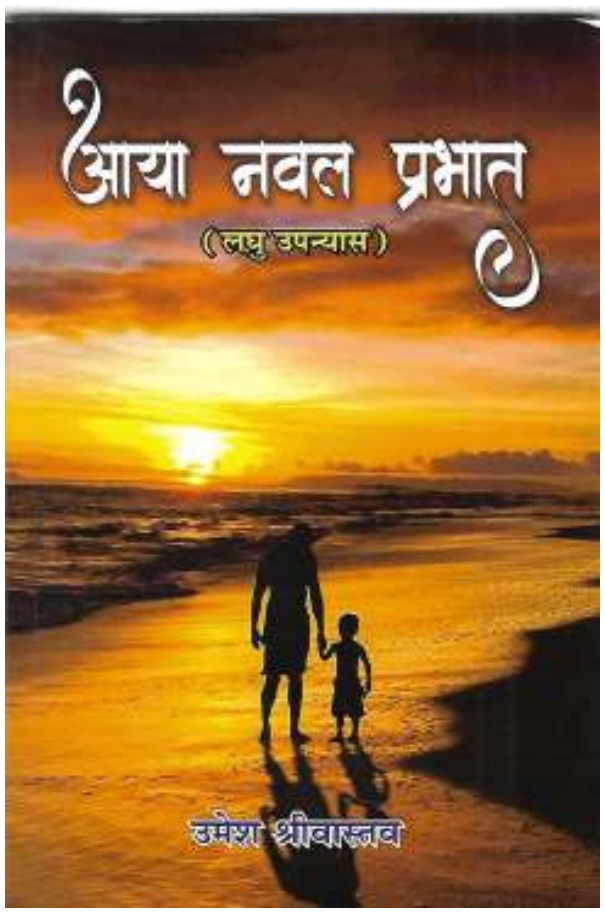

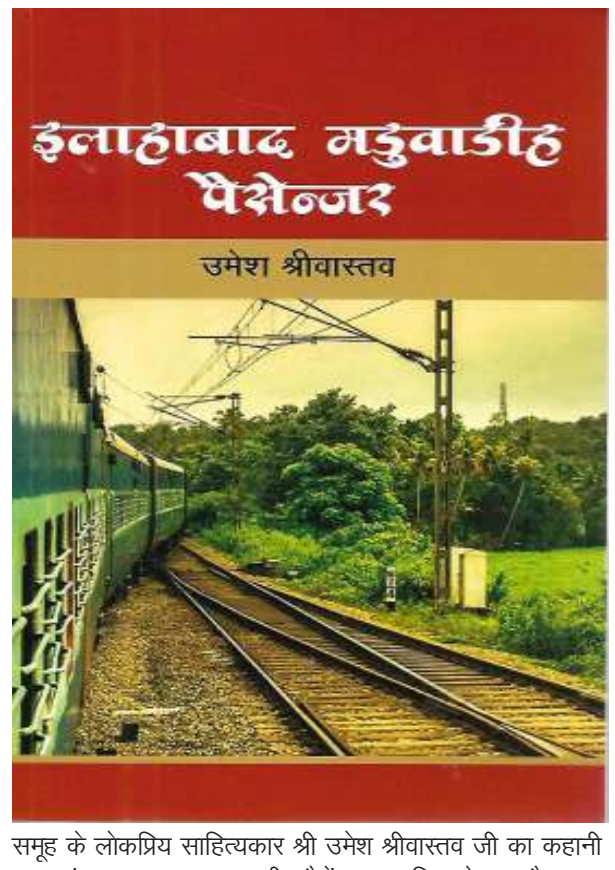

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

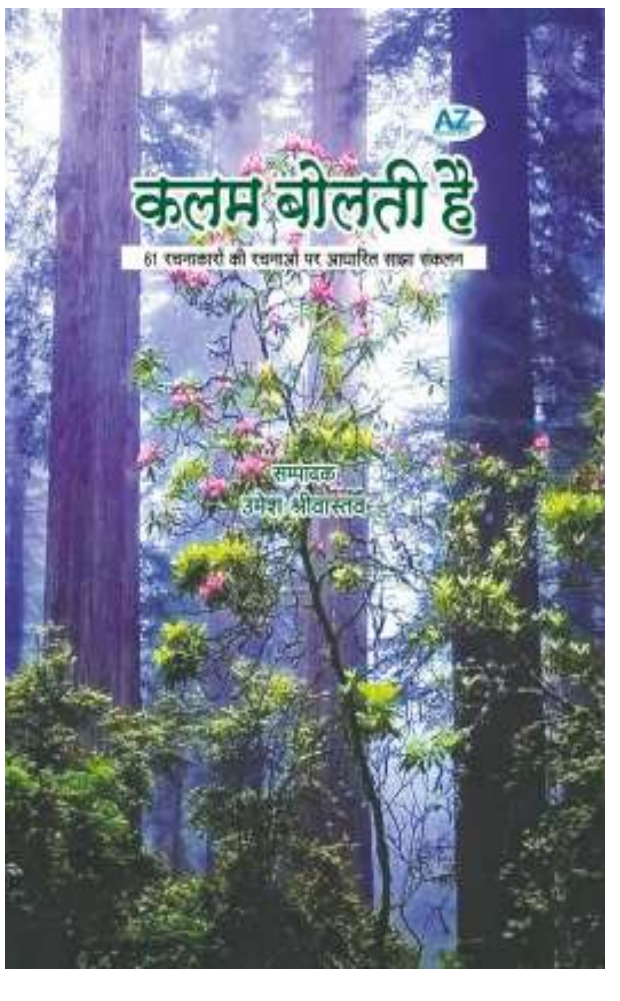

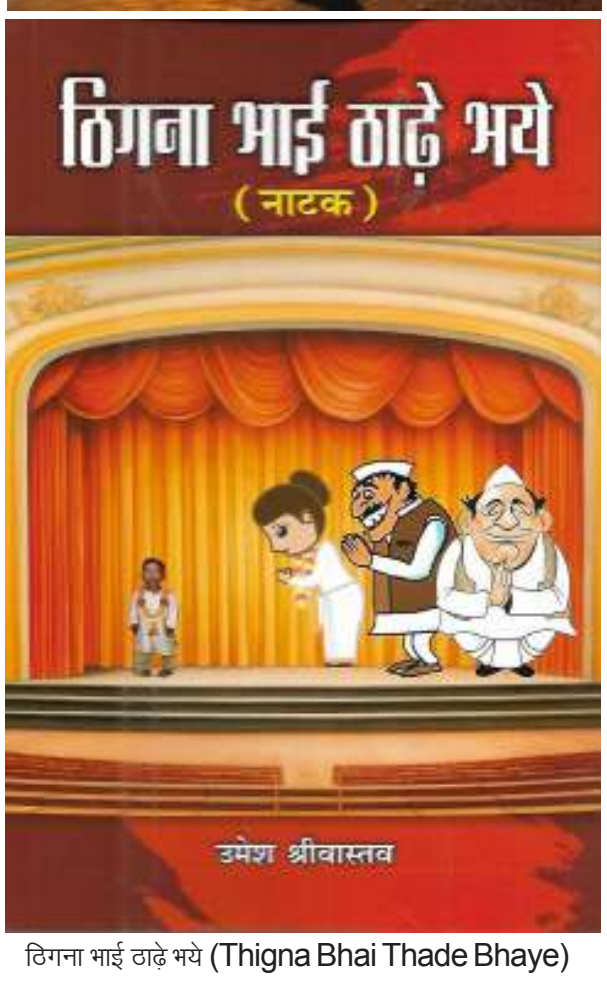

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका के अलास्का में चार्टर विमान हुआ क्रैश, दो पायलटों समेत आठ की मौत

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में हुए एक बड़े विमान हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। पश्चिमी अलास्का में चार्टर विमान क्रैश हो गया और उसमें सवार दो पायलटों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की सेना ने सभी आठों लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान उड़ान भरने के बाद पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। इसके बाद राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा। अब अमेरिकी सेना ने विमान के क्रैश होने की पुष्टि कर दी है और बताया कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने बयान जारी कर मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है। अलास्कन कमांड, अलास्कन नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड रीजन और इलेवन एयर फोर्स के कमांडर, अमेरिकी वायु सेना के लेफ्टिनेंट जनरल रॉबर्ट डेविस ने एक बयान में कहा, श्यह हमारी सैन्य बिरादरी और उन समुदायों के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान है जिनकी हम सेवा करते हैं।श इस रडार साइट का प्रबंधन पैसिफिक एयर फोर्सेस रीजनल सपोर्ट सेंटर करता है। अलास्कन कमांड के बयान के अनुसार, यह दूर–दराज रडार साइटों के उस नेटवर्क का हिस्सा है जो अलास्का के हवाई क्षेत्र और उसकी सीमाओं पर उड़ने वाले विमानों पर नजर रखता है। बयान में उन लोगों के विशिष्ट काम के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। इसमें शामिल विमान को नागरिक–अनुबंधित विमान बताया गया। डेविस ने विमान में सवार लोगों को समर्पित पेशेवर बताया जो मुश्किल हालात में एक अहम मिशन को अंजाम दे रहे थे। उन्होंने कहा, अभी हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता इस दुखद समय में उनके परिवारों, दोस्तों और साथियों को पूरा सहयोग देना है। हम अपने खोज और बचाव दल के पेशेवरों की त्वरित और अथक कार्रवाई के लिए बहुत आभारी हैं। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अलास्का क्षेत्र के प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने गुरुवार शाम को बताया कि विमान में दो पायलट और छह यात्री सवार थे। जॉनसन ने कहा कि विमान ने एंकरेज से उड़ान भरी थी और माना जा रहा है कि गुरुवार दोपहर के समय केप न्यूएनहैम पहुंचने के दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

छह डॉक्टरों की टीम ने किया चेकअप, नौ महीने बाद पत्नी और बहन से हुई मुलाकात

पीटीआई संस्थापक और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में छह विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा मेडिकल जांच के बाद वापस अदियाला जेल भेज दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने उन्हें हिरासत में रखना सुरक्षित बताया। सुप्रीम कोर्ट ने पहले उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए अस्पताल में जांच और इलाज का आदेश दिया था। सरकार ने इस फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की, जिसे रजिस्ट्रार कार्यालय ने आपत्तियों के साथ वापस कर दिया। इस बीच इमरान खान को बनी गाला भेजने और विदेश में इलाज कराने जैसे विकल्पों पर भी चर्चा शुरू हो गई है। पीटीआई का कहना है कि जेल की परिस्थितियां उनकी सेहत पर असर डाल रही हैं, जबकि पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को उम्मीद की नई किरण बताया है। जानकारी के मुताबिक, अस्पताल पहुंचने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री की छह विशेषज्ञ डॉक्टरों वाली टीम ने मेडिकल जांच की। जांच पूरी होने के बाद डॉक्टरों ने निष्कर्ष निकाला कि इमरान खान को अस्पताल में भर्ती रखने की तत्काल जरूरत नहीं है और उन्हें जेल में सुरक्षित रखा जा सकता है। इसके बाद जेल अधिकारियों ने उन्हें वापस अदियाला जेल पहुंचाया, जहां उन्हें उनकी सेल में भेज दिया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इमरान खान के अस्पताल पहुंचने से पहले इस्लामाबाद पुलिस के सीनियर अफसरों ने शिफा इंटरनेशनल अस्पताल का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अस्पताल के बाहर भी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, इमरान खान की मेडिकल जांच और जरूरत पड़ने पर उन्हें भर्ती करने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। जिसके बाद खान को इलाज के लिए भेजा गया। सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की स्वास्थ्य स्थिति पर विचार करने के बाद उन्हें दो दिनों के भीतर किसी चिकित्सा संस्थान में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। इसके बाद सरकार ने इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका दायर की। हालांकि, गुरुवार सुबह सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार कार्यालय ने कुछ आपत्तियां उठाते हुए सरकार की पुनर्विचार याचिका वापस कर दी। इमरान खान को अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था। इसके बाद से उनके खिलाफ कई कानूनी मामले दर्ज हुए और उनकी मुश्किलें लगातार बढ़ती गईं। वह अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें कई मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है। इमरान खान और उनकी पार्टी इन मामलों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताती रही है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

कार सेल्समैन निकला बेल्जियम का राजकुमार: 26 साल बाद सामने आया शाही परिवार का राज, डीएनए हुआ मैच

बेल्जियम के एक कार सेल्समैन की जिंदगी उस वक्त पूरी तरह बदल गई, जब उसे पता चला कि वह देश के शाही परिवार का सदस्य है। 26 वर्षीय क्लेमेंट वैंडेनकेर्कहोव को प्रिंस लॉरेंट ने औपचारिक रूप से अपना बेटा स्वीकार कर लिया है। लॉरेंट, बेल्जियम के राजा फिलिप के छोटे भाई हैं। इसके साथ ही क्लेमेंट को राजकुमार का दर्जा मिल गया है। बेल्जियम के एक 26 वर्षीय कार सेल्समैन क्लेमेंट वैंडेनकेर्कहोव की जिंदगी उस समय बदल गई, जब प्रिंस लॉरेंट ने डीएनए जांच के बाद उन्हें अपना जैविक और कानूनी बेटा स्वीकार कर लिया। वैंडेनकेर्कहोव, जो बेल्जियम के राजा फिलिप के भतीजे हैं, अब राजकुमार कहलाएंगे और लॉरेंट की निजी संपत्ति में अपने सौतेले भाई–बहनों के बराबर उत्तराधिकार अधिकार रखेंगे। हालांकि उन्हें शाही भत्ता, आधिकारिक जिम्मेदारी या सिंहासन के उत्तराधिकार का अधिकार नहीं मिलेगा। उनकी कहानी लॉरेंट के पिता, पूर्व राजा अल्बर्ट द्वितीय के पुराने पितृत्व विवाद से भी जुड़ती है। द टेलीग्राफ की बुधवार की रिपोर्ट के मुताबिक, 63 वर्षीय प्रिंस लॉरेंट ने करीब छह महीने पहले एक छोटे से टाउन हॉल में हुई शांत और निजी रस्म के दौरान वैंडेनकेर्कहोव को कानूनी रूप से अपना बेटा और उत्तराधिकारी मान लिया था। इस घटनाक्रम की जानकारी अब सामने आई है। इस कानूनी मान्यता के बाद वैंडेनकेर्कहोव को लॉरेंट की निजी संपत्ति में अपनी सौतेली बहन प्रिंसेस लुईस (20) और सौतेले भाइयों प्रिंस निकोलस (20) तथा प्रिंस आयमेरिक (19) के बराबर विरासत का अधिकार मिल गया है।

हालांकि वैंडेनकेर्कहोव के नाम के आगे अब राजकुमार का दर्जा जुड़ गया है, लेकिन उन्हें शाही भत्ता नहीं मिलेगा। वह आधिकारिक शाही जिम्मेदारियां भी नहीं निभाएंगे और बेल्जियम के सिंहासन पर उत्तराधिकार का कोई अधिकार भी उन्हें हासिल नहीं हुआ है। वैंडेनकेर्कहोव ने अभी यह तय नहीं किया है कि वह सैक्से–कोबर्ग परिवार का उपनाम अपनाएंगे या नहीं। उन्होंने हाल ही में बेल्जियम के अखबार हेट नीउव्सब्लाद से कहा,श्मैं ऐसा करना चाह सकता हूं, लेकिन मुझे अपने वैंडेनकेर्कहोव नाम पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा, अगर मैं इस पारिवारिक नाम को छोड़ देता हूं, तो यह मेरी मां ने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके साथ विश्वासघात होगा। वैंडेनकेर्कहोव के जन्म का सच कई वर्षों तक एक राज की तरह दबा रहा। पिछले सितंबर में बेल्जियम के टीवी नेटवर्क टज्ड पर प्रसारित एक डॉक्यूमेंट्री में उन्होंने सार्वजनिक रूप से पुष्टि की कि प्रिंस लॉरेंट उनके जैविक पिता हैं। वैंडेनकेर्कहोव का जन्म अगस्त 2000 में बेल्जियम की गायिका और सोशलाइट वेंडी वैन वांटन के घर हुआ था। उनका असली नाम आइरिस वैंडेनकेर्कहोव है।

वेंडी वैन वांटन और लॉरेंट का 1990 के दशक में चर्चित रिश्ता रहा था। दोनों की मुलाकात पेरिस में एक फैशन शो के दौरान हुई थी। इसके बाद लॉरेंट ने 2003 में प्रिंसेस क्लेयर से शादी कर ली। वैंडेनकेर्कहोव ने डॉक्यूमेंट्री में बताया कि उनकी मां ने उन्हें 16 साल की उम्र में पहली बार बताया था कि लॉरेंट ही उनके जैविक पिता हैं। सच्चाई जानने के करीब चार साल बाद वैंडेनकेर्कहोव ने हिम्मत जुटाकर लॉरेंट को फोन किया। इसके बाद दोनों के बीच संपर्क बढ़ा और आखिरकार उन्होंने डीएनए टेस्ट कराया। जांच में दोनों के बीच 99.5 प्रतिशत जैविक मेल पाया गया। टज्ड से बातचीत में वैंडेनकेर्कहोव ने उस पल को याद करते हुए कहा,श्हम साथ में अस्पताल गए थे और मुझे याद है कि उन्होंने कहा था कि मैं पहले टेस्ट कराता हूं, ताकि तुम्हें सहज महसूस हो। इसके बाद लॉरेंट ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वैंडेनकेर्कहोव उनके जैविक बेटे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच पिछले कुछ वर्षों से निजी तौर पर बातचीत होती रही है। इस कहानी का एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि वैंडेनकेर्कहोव 2013 में एक शॉपिंग सेंटर में लॉरेंट से मिल चुके थे। उस समय उन्हें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि सामने खड़ा व्यक्ति उनका जैविक पिता है।

शाही परिवार से रिश्ता सामने आने से पहले वैंडेनकेर्कहोव की जिंदगी बिल्कुल आम थी। हेट नीउव्सब्लाद के अनुसार, वह डेनाइज स्थित एक ओपल डीलरशिप में कार सेल्समैन के तौर पर काम करते थे। उन्होंने ग्राफिक डिजाइन की पढ़ाई की है और तेज रफ्तार कारों तथा घोड़ों के शौकीन हैं। कुछ ही समय में उनकी जिंदगी कारों की बिक्री से निकलकर बेल्जियम के शाही परिवार तक पहुंच गई। वैंडेनकेर्कहोव की कहानी बेल्जियम के शाही परिवार में छिपे एक पुराने पारिवारिक रहस्य की याद भी दिलाती है। उनके पिता प्रिंस लॉरेंट के अपने पिता और पूर्व राजा अल्बर्ट द्वितीय (92) को भी वर्षों तक पितृत्व के एक मामले में कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ा था। अल्बर्ट द्वितीय ने आखिरकार 2020 में स्वीकार किया कि विवाहेतर संबंध से उनकी एक बेटी हुई थी। वह बेटी डेल्फीन बोएल हैं, जो अब 58 वर्ष की हैं। डेल्फीन बोएल ने अपने कानूनी अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और अंततः उन्हें राजकुमारी का दर्जा दिया गया। अब वह डेल्फीन डी सैक्से–कोबर्ग नाम का इस्तेमाल करती हैं।

यमन–सोमालिया के पास दो जहाज हाईजैक, लुटेरों के कब्जे में 22 भारतीय समेत 30 क्रू मेंबर

नई दिल्ली,एजेंसी। यमन और सोमालिया के तट के पास दो अलग–अलग घटनाओं में समुद्री लुटेरों ने दो कमर्शियल जहाजों को हाईजैक कर लिया। इन दोनों जहाजों पर कुल 22 भारतीय नागरिक समेत 30 क्रू सदस्य सवार थे। एमटी सिबू 1 पर 16 और एमध्वी लुटुफ पर छह भारतीय नागरिक सवार थे। सोमालिया में हाईजैक किए गए जहाज पर तुर्किये के हथियार और संचार–सैटेलाइट उपकरण लदे थे। जबकि एमध्वी लुटुफ और उसके चालक दल की मौजूदा स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शिपिंग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 20 अगस्त को यमन के तट से करीब 30 नॉटिकल मील दूर अदन की खाड़ी में इरिट्रिया के झंडे वाले तेल उत्पाद टैंकर एमटी सिबू 1 को हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने अपने कब्जे में ले लिया। जहाज पर कुल 20 क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें 16 भारतीय नागरिक शामिल हैं। अधिकारी के अनुसार, घटना के बाद भारतीय पक्ष स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक जहाज पर सवार भारतीय क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। दूसरी घटना 17 अगस्त को सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास हुई, जहां कैमरून के झंडे वाले कार्गो जहाज एमध्वी लुटुफ को समुद्री लुटेरों ने हाईजैक कर लिया। जहाज पर 10 सदस्यीय क्रू था, जिसमें छह भारतीय नागरिक, एक तुर्किये का नागरिक, एक जॉर्जियाई नागरिक और दो सर्बियाई सुरक्षा गार्ड शामिल थे। सोमाली अधिकारियों के मुताबिक, जहाज का मालिकाना हक पोलर मूवमेंट शिपिंग के पास बताया गया है। हाईजैक के बाद समुद्री लुटेरे जहाज को पुंटलैंड के नुगाल तट की ओर ले गए।

एक सोमाली अधिकारी ने पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि एमध्वी लुटुफ को सोमवार को पुंटलैंड के ईयल जिले में मारेया से करीब साढ़े तीन नॉटिकल मील की दूरी पर कब्जे में लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामला संवेदनशील होने के कारण उन्हें सार्वजनिक रूप से अपनी पहचान बताने की अनुमति नहीं थी। अधिकारियों के अनुसार, एमध्वी लुटुफ तुर्किये के हथियार लेकर जा रहा था। इन हथियारों को मोगादिशु स्थित तुर्किये के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र तक पहुंचाया जाना था। जहाज पर संचार और सैटेलाइट उपकरण भी लदे थे। घटना को लेकर तुर्किये के अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। सोमाली अधिकारी के मुताबिक, करीब आठ समुद्री लुटेरों ने एमध्वी लुटुफ पर कब्जा किया। आशंका है कि यही समूह 26 अप्रैल को एमध्वी स्वार्ड के हाईजैक में भी शामिल था। हाईजैक के बाद लुटेरे जहाज को पुंटलैंड के डांगोरोयो जिले में गारमाल के पास तट की ओर ले गए। इस दौरान इलाके में गतिविधियां बढ़ गईं और जहाज की निगरानी भी शुरू कर दी गई।

अधिकारी ने बताया कि बाद में तुर्किये के स्वामित्व वाले दो जहाज हाईजैक किए गए पोत के पास पहुंचे। इलाके में तुर्किये के हेलिकॉप्टर और ड्रोन भी निगरानी कर रहे थे। मंगलवार को दो लोगों को लेकर एक छोटी नाव हाईजैक किए गए जहाज के पास पहुंची और वहां खाट पहुंचाया। सोमालिया में खाट एक उत्तेजक पदार्थ है, जिसे आमतौर पर चबाया जाता है। सोमाली अधिकारी के अनुसार, छोटी नाव के तट पर लौटने के बाद इलाके में हवाई हमला हुआ। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए। हालांकि, हमले की परिस्थितियों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

ट्रंप का तेहरान हमलों पर बड़ा दावा, होर्मुज पर कब्जे को लेकर क्या कहा ?

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान से जुड़े रणनीतिक जलमार्गों पर "लगभग नियंत्रण" कर रहा है और जल्द ही वहां पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने कहा, जब हमने बी–2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा। ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। 77 डब्ल्यूएबीसी रेडियो पर प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, अब ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कर रहे हैं और जल्द ही पूरा नियंत्रण कर लेंगे। हम ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं।श्श बुधवार को जारी साक्षात्कार के इस हिस्से में ट्रंप ने जलमार्गों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और नेतृत्व को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बातचीत के जरिए समझौता करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, समस्या का एक हिस्सा यह है कि बहुत से नेता चले गए हैं। समझौता करना आसान नहीं है। कोई नहीं जानता कि नेतृत्व कौन कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, श्श्और मैं उनसे कहता हूं कि आपकी ऊर्जा की लागत थोड़ी अधिक होगी, पेट्रोल की कीमत भी थोड़ी अधिक होगी। लेकिन हमें मध्य पूर्व का सफर तय करना होगा, क्योंकि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने दावा किया कि ईरान को सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह कर दिया गया है और उसकी मिसाइलों तथा ड्रोन बनाने की क्षमता काफी कम हो गई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, कमजोर मुद्रा और सैन्यकर्मियों को वेतन नहीं मिलने का भी जिक्र किया और इन्हें तेहरान पर बढ़ते दबाव का संकेत बताया। उन्होंने कहा, श्श्मैंने ऐसा क्यों किया, और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था, मैं इसे फिर से सौ बार करता, वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ बी–2 बमवर्षक विमानों के इस्तेमाल का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान देर रात चलाया गया और हर बम अपने लक्ष्य पर गिरा। उन्होंने कहा, जब हमने बी–2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। और यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा, क्योंकि आप उन्हें इस तरह का हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते। राष्ट्रपति ने कहा कि अगर ईरान परमाणु हथियार हासिल कर लेता तो वह इस्राइल और मध्य पूर्व के अन्य देशों पर हमला करता। उन्होंने सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन का नाम लेते हुए कहा कि इन देशों को ईरान की मिसाइलों से निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा, श्श्अगर डोनाल्ड ट्रंप नहीं होते तो इस्राइल नहीं होता। मेरा मानना है कि पूरा मध्य पूर्व तबाह हो जाता, लेकिन इस्राइल निश्चित रूप से तबाह हो जाता।

यूएस ने नाकाम किया आईएसआईएस का बड़ा हमला, आरोपी महिला गिरफ्तार

अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुंचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया। बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने कुनिया यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल–कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है। शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए बोवी ने श्विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल–हाशिमी अल–कुरैशी के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी बयाह पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है। संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय भी शामिल था। बाद में उसने न्यूयॉर्क कैपिटल को निशाना बनाने का फैसला किया, जहां राज्य की विधायिका का कामकाज होता है। मुखबिर ने उसकी मुलाकात दो अन्य मुखबिरों से कराई। इन दोनों ने बोवी के समर्थक होने का दिखावा किया और उसकी योजना में मदद करने की पेशकश की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोवी ने दोनों से कहा कि वह श्इमारत को जितना संभव हो सके उतना नष्ट करना।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।